वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 144 | मंगलवार 17 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) का उद्घाटन

# अनुकूल निवेश नीतियों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की बना पसंदः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

## राजस्थान ने सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता श्रेणी में हासिल किया द्वितीय स्थान

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जीबिशन सेंटर में चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है। यहां का भड़ला सोलर पार्क 2 हजार 245 मेगावाट स्थापित सोलर क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क है। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों के लिए प्रदेश में अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में 28 गीगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से लगभग 470 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादित हो रही है और 32 गीगावाट की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। साथ ही, राज्य में 142 गीगावाट सौर ऊर्जा और 284 गीगावाट पवन ऊर्जा के उत्पादन की संभावनाएं हैं। हम वर्ष 2031-32 तक 115 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

### राजस्थान बनेगा ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार बिजली क्षेत्र में सुधारों के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। हमने ''विकसित राजस्थान 2047'' के संकल्प को पूरा करने के लिए अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान के सभी जिलों में आदर्श सौर ग्राम विकसित किए जा रहे हैं। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए में 228 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं और 300 मेगावाट की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। कम्पोनेंट-सी के तहत राज्य को 4 हजार 524 मेगावाट की सौर परियोजनाओं का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वैश्विक सहयोग, तकनीक, अनुसंधान, प्रशिक्षण और निवेश की सहायता से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में ''राइजिंग राजस्थान'' इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में विगत 9 महीनों में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। साथ ही, केंद्र सरकार ने राज्य में 5 हजार 292 मेगावाट क्षमता के तीन अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्क भी स्वीकृत किए हैं। राज्य में 7 गीगावाट क्षमता की पंप स्टोरेज परियोजनाओं हेतु 8 साइट चिह्नित की जा चुकी हैं। पंप स्टोरेज परियोजनाओं की स्थापना प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए नई पॉलिसी बनाई जा रही है। गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से 200 गीगावाट क्षमता के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए राजस्थान को समारोह में सम्मानित किया गया। राज्य ने कुल सोलर ऊर्जा क्षमता श्रेणी में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करते हुए देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की श्रेणी में राजस्थान द्वितीय स्थान पर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के हाथों से यह पुरस्कार ग्रहण किए। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंन्द्र भाई पटेल, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येस्सो नाइक सहित विभिन्न देशों एवं राज्यों के प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# जे एस जी महानगर द्वारा जैन प्रतिभा सम्मान 21 सितम्बर को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन के अन्तर्गत जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर द्वारा अपने रजत जयंती वर्ष में दिनांक 21 सितम्बर 2024 शनिवार को शाम 6.00 बजे इन्द्रलोक सभागार, भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर में राज्य स्तरीय जैन प्रतिभा सम्मान 2024 का आयोजन किया जाएगा । कार्यक्रम सयोजक सी एस जैन एवं रवि प्रकाश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में वर्ष 2024 में, दसवीं एवं बारवीं कक्षा में 95% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र, सीए, सीएमए, सीएस, पास करने वाले, राजपत्रित सेवा में चयन होने वाले, पीएचडी उपाधि प्राप्त करने, आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू, मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने, एवं अन्य विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान किया जायेगा। महानगर ग्रुप संजय छाबड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में निशान्त जैन, (आएएस), पारस जैन (आरपीएस) एवं अंकित जैन (आरपीएस) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेगें एवं प्रतिभागियों से आपसी सँवाद करेंगे। महानगर ग्रुप सचिव सुनील जैन गंगवाल ने बताया कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन डॉ.राजीव जैन एवं अध्यक्षता प्रमोद जैन पहाडिया करेंगे। महानगर ग्रुप अपनी स्थापना के समय से ही ऐसे आयोजन सामाजिक कार्यक्रम के तहत करता रहा है।

# त्यागी वृतियो, बुजुर्गो व प्रतिभा सम्मान समारोह 18 सितंबर को

**कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया**

श्री जैन वीर मंडल द्वारा दशलक्षण व्रर्तियों, छात्रों की प्रतिभा, बुजुर्गों का सम्मान 18 सितंबर को होगा। सुभाष पहाड़िया ने बताया कि जैन समाज कुचामन एवं श्री जैन वीर मंडल द्वारा 18/9/24 रविवार को सरला बिडला कल्याण मंडप में 14 वॉ दशलक्षण व्रर्ती प्रतिभावान छात्र एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। संस्था के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र पहाड़िया के अनुसार प्रातः 8 बजे अजमेरी नागौरी मंदिरजी पुरानी धान मंडी से दसलक्षण व्रर्ती सरोज देवी धर्मपत्नी राजकुमार कासलीवाल, श्रीमती मनीषा देवी धर्मपत्नी अमित गंगवाल , श्रीमती अलका देवी धर्मपत्नी स्व. अशोक गंगवाल, श्रीमती जिज्ञासा देवी धर्मपत्नी नितेश झांझरी, गुंजन सुपुत्र सोभागमल गंगवाल, विपिल सुपुत्र विनोद कुमार गंगवाल और पंचमेरू, तेला का निराहार उपवास करने वाले व्रर्तियों का भव्य जुलूस के साथ कल्याण मण्डपम जायेगा। सम्मान समारोह में समाज के वरिष्ठतम श्रावक गोपाल लाल जी पहाड़िया बुजुर्गतम श्राविका मनोरमा देवी धर्मपत्नी स्व. रतनलाल जी पहाड़िया व बुजुर्ग दम्पति श्री नेमीचंद श्रीमती विनोद देवी पहाड़िया का सम्मान किया जायेगा। अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल ने बताया कि जैन समाज के 2024 में उच्च तकनीकी एवं व्यावसायिक डिग्री सी.ए., एम.बी.ए., सी.एस.,बी.टेक, आर.ए.एस, एल.एल.बी. ड्रिगी के व राजस्थान बोर्ड 10 वी सी बी एस बोर्ड दशवी बारहवी कक्षा मे 85 प्रतिशत से अधिक अकं प्राप्त एस एस टी स्नातक बी एड स्नातकोत्तर मे 75 प्रतिशत अक प्राप्त प्रतिभावान छात्रों का तिलक मेडल, शॉल से सम्मानित किया जायेगा। **रिपोर्ट : सुभाष पहाड़िया**

# अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शन से हो रहे हैं भक्तों के संकट दूर, सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया**

परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में दशलक्षण मंडल विधान का भव्य आयोजन हो रहा है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र की अलौकिक छटा भक्तों को, यात्रियों को आकर्षित कर देवाधिदेव 1008 श्री अतिशयकारी शांतिनाथ भगवान के चरणों में आस्था का केंद्र बना रही है। भक्ति आराधना के माध्यम से इस क्षेत्र पर अनेकानेक आयोजनों का लाभ भक्तगण ले रहे हैं। हाल ही होने वाले चमत्कारिक अभिषेक की प्रभावना पवन वेग की तरह दसों दिशाओं में फैल गई। एवं सारे भक्तों के अंतरंग में श्रद्धा की महक घुल गई। दूर-दूर से आने वाले यात्रीगण अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के चरणों में अपनी मनोकामना को पूर्ण कर रहे हैं। शांतिनाथ भगवान के गंधोदक का प्रभाव सर्वौषधि का काम कर रहा है। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की इसी के साथ आगामी 17 सितंबर अनंत चतुर्दशी महापर्व पर श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में 12 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की 19 सितंबर को दोपहर 4:00 से वार्षिक कलशाभिषेक का भव्य आयोजन चातुर्मास समिति के द्वारा किया गया है। सभी भक्तगण अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शन कर अपने जीवन में अतिशय पुण्य कमाए। आकिंचन्य धर्म की शिक्षा देते हुए पूज्य माताजी ने भक्तों को संकल्प विकल्पों से रहित,रिक्त या खाली होने का नाम ही आकिंचन्य है। उत्तम आकिंचन्य ही मोक्ष तक पहुंचने के लिए सरल सोपान है।

# कलाकुंज जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के नौवें दिन : समझाया उत्तम अकिंचन धर्म का अर्थ

**आगरा. शाबाश इंडिया।** श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कलाकुंज मारुति स्टेट में चल रहे दशलक्षण महापर्व के नौवें दिन सोमवार को उत्तम अकिंचन धर्म की आराधना की गई जिसमें सर्वप्रथम भक्तों ने श्रीजी की प्रतिमाओं का स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया,साथ ही पंडित पीयूष जैन शास्त्री ने वृहद मंत्रों से शांतिधारा संपन्न कराई,शांतिधारा के बाद सभी प्रतिमाओं का परिमार्जन किया गया। इसके बाद उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं ने पंडित पीयूष जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ उत्तम अकिंचन की पूजन की क्रियाएं संपन्न कीं। पंडित पीयूष जैन शास्त्री ने उत्तम अकिंचन धर्म का महत्व बताते हुए हम भौतिक चीजों के प्रति अपने सुख को ढूंढते हैं। परंतु ये हमारे दुःख का कारण बनते हैं। अनावश्यक वस्तुओं का परित्याग कर आवश्यक चीजों के साथ जीवन के व्यतीत करना अकिंचन धर्म है। सायः 7:00 बजे भक्तों द्वारा प्रभु की मंगल आरती की गई। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिन 17 सितंबर को उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एव 12 तीर्थंकर श्री भगवान वासुपूज्य का निर्वाण कल्याणक महोत्सव भी मनाया जाएगा। इस अवसर पर रविन्द्र जैन (बुर),मुकेश जैनभगत, आदित्या जैन भगत,राजीव जैन,संयम जैन,संजीव जैन,रिखव जैन,प्रमोद जैन,देवेन्द्र जैन पवन जैन,प्रवीन जैन, दीपक जैन,संजय जैन,शुभम जैन समस्त कलाकुंज जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

# श्री महावीर दि. जैन मंदिर मुरलीपुरा में भव्य नाट्य श्रृंखला का हुआ आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

रविवार को जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व दशलक्षण में उत्तम त्याग धर्म के दिन मुरलीपुरा जैन मंदिर में विशेष कार्यक्रम हुए । मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मचंद बड़जात्या एवं महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि उत्तम त्याग धर्म के दिन श्री महावीर दि. जैन मंदिर मुरलीपुरा में सायंकाल श्री महावीर पाठशाला के नेतृत्व में सकल जैन समाज मुरलीपुरा के बच्चों द्वारा मुकुट माला पहनाकर श्रीजी की भव्य महाआरती की गई। इस अवसर पर आरती के पश्चात नमोकार महामंत्र की एक माला का जाप किया गया, तत्पश्चात श्री महावीर पाठशाला के बच्चों द्वारा ही उत्तम त्याग धर्म पर प्रवचन दिया गया।। सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में प्रवचन के पश्चात मंगलाचरण के द्वारा शानदार नाट्य श्रंखला का शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत श्री महावीर पाठशाला मुरलीपुरा से अंशुलता जैन एवं बच्चों की टीम ने अपने सजीव अभिनय से बताया कि जिस हिसाब से आने वाली पीढ़ी में जैन धर्म के संस्कार क्षीण हो रहें हैं तो आने वाले वर्ष 2050 में जैनियों के दसलक्षण पर्व कैसे होंगें ।साथ ही शैली जैन एवं टीम ने अपने जीवन्त अभिनय द्वारा संदेश दिया कि अंतजार्तीय प्रेम विवाह वास्तव में वरदान है, या एक अभिशाप है। इस प्रकार महिला मंडल की महिलाओं में वंदना जैन एवं टीम ने अपने नाटक के माध्यम से दर्शकों को गुदगुदाते हुए संदेश दिया कि प्रभु भक्ति में यदि रम कर उपवास किए जाये तो सारे तन के एवं मन के विकार दूर हो सकते हैं। पूरी नाट्य श्रृंखला अत्यंत अदभुत रही। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि दिनांक 16 सितंबर को सायं 8 बजे से जिन भक्ति संध्या का आयोजन मुरलीपुरा जैन मंदिर पार्क में किया गया जिसमे श्री पवन जी संगीतकार भजनों की शानदार प्रस्तुति दी । अनंत चतुर्दशी को श्रीजी के अभिषेक सांयकाल 5:30 बजे होंगें । श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर मुरलीपुरा समाज 22 सितंबर, रविवार को दोपहर तीन बजे से सामूहिक क्षमावाणी स्नेह मिलन समारोह एवं गोठ का आयोजन करेगा।

## उत्तम आंकिचन धर्म अर्थात परिग्रह का त्याग करना

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर खोरा बिसल मे, दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर नित्य धार्मिक आयोजन हो रहे है, जिसमे सुबह समाज द्वारा भगवान के अभिषेक और शांतिधारा बड़े भावो से की जा रही है। महामंत्री अमर चंद दीवान के अनुसार के अनुसार, उत्तम आंकिचन धर्म के शुभ अवसर पर शांतिधारा और अभिषेक करने का सौभाग्य निहाल चंद अमर चंद दीवान, नेमी दीवान, शुभम, अंशुल, रचित, नैतिक जैन को प्राप्त हुआ । मंत्री अजय जैन के अनुसार शाम को नित्य भगवान की महाआरती, और भक्तामर के पाठ, उसी सौभाग्यशाली परिवार को मिलता है ।जिसमे महिलाए बच्चे सहित, सभी भगवान के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके अपने आपको धन्य मानते है।

## कमला नगर जैन मंदिर में भव्यता के साथ निकाली युवराज नेमि कुमार की बारात

**आगरा. शाबाश इंडिया।** श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कमला नगर में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में दसलक्षण महापर्व का आयोजन चल रहा है महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म के अवसर 15 सितंबर को शशि जैन, अमित जैन, अंशुल जैन के द्वारा बैंड बाजों के साथ युवराज नेमी कुमार की बारात भव्यता के साथ निकाली गई। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमला नगर से भव्य बरात प्रारंभ हुई। बारात का उद्घाटन प्रदीप जैन पीएनसी परिवार द्वारा किया गया।बारात कमला नगर से शुरू होकर विभिन्न विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पर संपन्न हुई।बारात में नेमिनाथ के स्वरूप स्वर्ण जड़ित रथ पर सवार थे। उनके भाई श्रीकृष्ण अपने सूर्य रथ पर विराजमान थे।बारात के मंदिर पहुंचकर नेमि कुमार के वैराग्य नाटक का मंचन किया गयो नाटक का शुभारंभ चित्र अनावरण एव दीप प्रज्वलन के साथ हुओ इस नाटक में बताया गया कि जब नेमिनाथ अपनी बारात के साथ राजा उग्रसेन के राजदरबार मे पहुंचे तो वहां किशोर नेमिनाथ को निरीह पशुओं के रोने की आवाज सुनाई दी।उन्होंने राजा उग्रसेन से कारण पूछा तो पता चला की ये पशु उनके स्वागत में परोसे जाने वाले भोज के लिए लाए गए हैं। किशोर नेमिनाथ को आघात लगा और आश्चर्य हुआ की ये निरीह पशु उनके लिए लाए गए हैं। तभी किशोर नेमिनाथ ने विवाह न करने का फैसला लिया और वहीं पर सब कुछ त्यागकर मुनि दीक्षा लेकर पर्वत पर तप करने चले गए। नेमिनाथ आगे चलकर जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के नाम से पहचाने जाने लगे। इस मंचन के दौरान पूरा मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। युवराज की बारात में बड़ी संख्या में भक्त बैंडबाजों की मधुर ध्वनि पर झूमते हुए चल रहे थे।इस अवसर पर अर्पितमय पावन वषायोग समिति के प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीश प्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल, अमित जैन, अंशुल जैन अनिल रईस, नीरज जैन अभिषेक जैन, विजय गोयल, संजीव जैन, मुकेश जैन रपरिया, अंकेश जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन समकित जैन, शशी जैन, रिचा जैन, विनीता जैन, रश्मि जैन, अंजलि जैन मस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : मनोज जैन बाकलीवाल**

## वेद ज्ञान

# समस्याएं सुधार का अवसर प्रदान करती हैं

जीवन समस्याओं और उलझनों से भरा है। समय एक जैसा नहीं रहता। सुख है तो दुख भी आने वाले हैं। इस सत्य को पूरी तरह स्वीकार करने वाला व्यक्ति किसी भी अप्रिय स्थिति को अनहोनी समझकर नहीं देखता। ऐसे लोग तलाशने पर शायद बहुत कम मिलें। बहुसंख्या ऐसे लोगों की है, जो विपत्ति आने पर अवाक रह जाते हैं और विचलित हो जाते हैं। यह भ्रम पाल लेना कि जीवन में सदा सुख है, निर्बाधता है, ऐसी सोच विपत्ति के आने पर हमें कमजोर और भयभीत कर देती है। कमजोर और डरा हुआ मन कोई आश्रय, कोई अवलंबन खोजने लगता है स्थिति से निपटने का। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास नहीं रहता। जीवन के सत्य से जितनी दूरी होगी, छोटी से छोटी समस्या उतनी ही बड़ी लगने लगेगी। दीनहीनता उतनी ही बढ़ जाएगी। किसी भी समस्या या संकट को अनहोनी की तरह न लेना मन की पहली विजय होती है। विचलित होने से आप विवेकपूर्ण फैसले नहीं ले सकते। सच तो यह है कि स्थितियां ही नहीं, स्वयं अपने जीवन पर भी हमारा कोई वश नहीं है। सभी कुछ ईश्वर के अधीन है। सृष्टि की रचना उसने की है, जीवन भी उसी ने दिया है और जीवन के पल, क्षण तक उसने तय कर दिए हैं। पूरा संसार उसकी इच्छा और आज्ञा में है। 'मैं' एक भ्रम है। इस सोच के व्यक्ति संकट में विचलित नहीं होते। हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं और समस्याएं स्वयं के सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। मानव जीवन में जाने, अनजाने पाप कर्म होते ही रहते हैं। परमात्मा चूंकि दयालु भी है। इसलिए जब कोई उसकी शरण में जाता है और अपना सर्वस्व अर्पण करके कृपा की आकांक्षा करता है, तब वह उस पर अवश्य दया करता है। ईश्वर करुणा का सागर है, इसलिए कोई उसकी ओर एक कदम चले तो वह कोटि कदम आगे होकर उसे अपने गले लगा लेता है। बातों से नहीं, बल्कि अंतस चेतना में ईश्वर की अनुभूति करके ही उसकी महानता का पता चलता है। जब ईश्वर की महानता समझ में आ जाती है, तब शब्द चुक जाते हैं, वाणी मौन हो जाती है। संकट के समय ईश्वर को अपना सहायक बना लेने से व्यक्ति की राह आसान हो जाती है और वह सहजता से समस्याओं या बाधाओं का सामना करने में सक्षम हो जाता है।

## संपादकीय

# दावों से अलग नजर आ रही है हकीकत

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को लेकर परस्पर विरोधी बातें सुनने को मिलती रही हैं। सरकार का दावा है कि अब वहां आतंकवाद खत्म होने को है। कुछ दिनों पहले गृह मंत्रालय ने दावा किया था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद काफी कम हो गया है, अब केवल कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गया है। जल्दी ही उसे समाप्त कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भी वही बात दोहराई है। उन्होंने डोडा से विधानसभा चुनाव प्रचार की

शुरूआत करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले ही वहां आतंकी हमला हुआ, जिसमें एक अधिकारी समेत दो सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। सेना के जवाबी हमले में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। घाटी में सक्रिय विपक्षी राजनीतिक दलों का आरोप है कि पिछले दस वर्षों में वहां आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। बहुत सारे निरपराध लोग मारे गए हैं, अनेक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। इससे पहले आतंकवादी घटनाएं इतनी नहीं होती थीं, केंद्र सरकार ने तब स्थानीय लोगों से बातचीत का सिलसिला शुरू किया था और आतंकी गतिविधियां काफी कम हो गई थीं। मगर सरकार इन बातों को सिरे से खारिज करती है। हालांकि दो वर्ष पहले गृह मंत्रालय ने भी माना था कि विशेष दर्जा खत्म होने और राज्य में कर्फ्यू के दौरान स्थानीय युवाओं की आतंकी समूहों में भर्ती बढ़ी है। पहले नोटबंदी के समय दावा किया गया था कि इससे आतंकी समूहों की कमर टूट जाएगी। उन्हें वित्तीय मदद मिलनी बंद हो जाएगी। फिर अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद कहा गया कि इससे दहशतगर्दी पर लगाम लग जाएगी। मगर हकीकत यह है कि करीब दो वर्ष तक सघन तलाशी और कड़ी पहरेदारी के बावजूद आतंकी घटनाओं पर कोई उल्लेखनीय अंकुश लगा नजर नहीं आया। फिर जैसे-जैसे वहां जनजीवन सामान्य बनाने के लिए कुछ ढिलाई दी जाने लगी, दहशतगर्दी एकदम से बढ़नी शुरू हो गई। आतंकवादियों ने अपने हमले के तरीके बदल लिए। कभी वे बाहरी लोगों और कश्मीरी पंडितों पर लक्षित हिंसा करने लगे, तो कभी सेना के काफिले पर घात लगा कर हमला। पिछले पांच वर्षों में थोड़े-थोड़े समय बाद सुरक्षाबलों पर घात लगा कर हमले बढ़े हैं। उन हमलों की समीक्षा से यह भी तथ्य सामने आया कि उनके पास बाहर से अत्याधुनिक हथियार पहुंचने लगे हैं, वे सुरक्षाबलों के सूचना तंत्र में सेंध लगाने के नए तरीके तलाश चुके हैं। ऐसे में यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि आतंकी समूहों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों और बाहर से हथियार वगैरह मुहैया कराने वालों पर शिकंजा कसे जाने के बावजूद उन तक ये चीजें कैसे पहुंच जा रही हैं। केंद्र सरकार का शुरू से दावा रहा है कि वह घाटी में आतंकवाद समाप्त करके ही दम लेगी। इसके लिए निस्संदेह उसने सख्त कदम भी उठाए, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ कम हो गई। मगर आतंकी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, तो इसके पीछे बड़ा कारण है कि दहशतगर्दों को स्थानीय लोगों का समर्थन मिल रहा है और वहां के युवाओं को हथियार उठाने से रोका नहीं जा पा रहा। -**राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# अभिव्यक्ति और विवाद

सोशल मीडिया कंपनी एक्स पर ब्राजील में प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारत में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने मानहानि से जुड़े एक मामले में विकिपीडिया को बंद करने की धमकी दी है। अमेरिका में इंटरनेट आर्काइव (आर्काइव डॉट ओआरजी) को कॉपीराइट मामले में सामग्री हटाने का निर्देश मिला है। फ्रांस ने टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल दुरोव को इस आरोप में गिरफ्तार कर लिया है कि इस ऐप का इस्तेमाल बच्चों के अश्लील वीडियो प्रसारित करने के लिए हो रहा है। इन सभी मामलों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चोट पहुंची है। ये सभी मामले उन देशों में हुए हैं, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार माना गया है और इसे कई प्रावधानों के जरिये सुरक्षा दी गई है। अप्रैल में ब्राजील में एक न्यायाधीश अलेक्जांड्रे डी मोरैस ने एक्स पर चल रहे कुछ अकाउंट बंद करने का आदेश दिया था। आरोप था कि इन अकाउंट के जरिये ब्राजील के बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही है। मगर एक्स ने यह आदेश मानने से इनकार कर दिया और इसके मालिक ईलॉन मस्क ने न्यायाधीश मोरैस को ब्राजील का तानाशाह बता दिया। दोनों पक्षों के बीच जबानी जंग तेज हो गई, जिसके बाद ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों के पीठ ने न्यायाधीश मोरैस के आदेश को सही ठहराते हुए बहाल रखा। भारत में समाचार एजेंसी एएनआई ने विकिपीडिया के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। एएनआई का आरोप है कि विकिपीडिया ने उसके खिलाफ अनर्गल आरोप लगाए हैं और उसे भारत सरकार के प्रचार का माध्यम बताया है। न्यायाधीश नवीन चावला ने उन तीन अकाउंट का ब्योरा मांगा, जिन्होंने एएनआई से जुड़ी जानकारी को बदला था। मगर विकिपीडिया को अकाउंट की जानकारी देना सही नहीं लगा। इसके बाद न्यायाधीश चावला ने विकिपीडिया को धमकी दी है कि वह सरकार को उस पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहेंगे। इंटरनेट आर्काइव निःशुल्क डिजिटल लाइब्रेरी है, जिसमें बंद हो चुकी वेबसाइट, पुरानी फिल्मों, संगीत और पुस्तकों से जुड़ी सामग्री मौजूद होती हैं। यह निःशुल्क पुस्तकालय की ही तरह उपयोगकर्ताओं को एक बार में स्कैन की हुई एक डिजिटल पुस्तक पढ़ने देता था। कोविड महामारी के दौरान और बाद में कई सार्वजनिक पुस्तकालय बंद होने के कारण इंटरनेट आर्काइव ने एक पुस्तक एक व्यक्ति की शर्त हटा दी ताकि लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो। मगर प्रकाशकों ने यह कहते हुए इंटरनेट आर्काइव पर मुकदमा दायर कर दिया कि इन डिजिटल पुस्तकों का पढ़ने के अलावा दूसरे तरीकों से भी इस्तेमाल किया गया, जो कॉपीराइट नियमों के खिलाफ थे। प्रकाशक हशेट सर्किट ने अमेरिका के एक न्यायालय में आर्काइव के खिलाफ मुकदमा जीत लिया है। अब आर्काइव के लिए लगभग 50,000 पुस्तकें लोगों को उपलब्ध कराना मुश्किल हो जाएगा। रूस, ईरान और चीन जैसे कई देशों ने एक्स पर स्थायी रूप से पाबंदी लगा रखी है। मगर ब्राजील में एक्स का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या लगभग 2 करोड़ है। एक्स अक्सर सरकार के निर्देश पर अकाउंट बंद कर दिया करती है। उदाहरण के लिए कश्मीर, मणिपुर, किसानों के आंदोलन सहित अन्य विषयों पर केंद्रित अकाउंट आम तौर पर भारत में नहीं देखे जा सकते।

# जनकपुरी में अकिंचन्य धर्म की भक्ति भाव के साथ विधान मंडल पर हुई पूजन

## मंगलवार को वासुपूज्य भगवान के निर्वाणोत्सव के साथ दसवें धर्म ब्रह्मचर्य की होगी पूजा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जनकपुरी -ज्योतिनगर जैन मंदिर में सोमवार को दशलक्षण महापर्व महोत्सव में अकिंचन्य धर्म की पूजन का आयोजन हुआ। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः विधान मण्डल पाण्डुशीला पर शान्तिधारा करने का सोभाग्य अशोक अंजू पाटनी परिवार व तारा चंद मंजु गोधा परिवार को तथा वेदी पर मनोज्ञ पाटनी राजेश जैन बस्सी को मिला। इसके बाद नित्य पूजन व अकिंचन्य धर्म विधान पूजन शिखर चन्द किरण जैन द्वारा साज बाज के साथ करायी जिसमें सभी ने करतल ध्वनि व भक्ति के साथ सहभागिता की। पूजा के बाद अकिंचन्य धर्म के 108 जाप्य स्वाहा स्वाहा बोलते हुए किये गये। दिन में तत्वार्थ सूत्र तथा शाम को स्वाध्याय एवं रात्रि में युवा मंच द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कल मंगलवार को वासुपूज्य भगवान के निर्वाणोत्सव के साथ दसवें व अंतिम धर्म ब्रह्मचर्य की पूजा की जायेगी।

## अनंत चतुर्दशी पर सुपार्श्वनाथ पार्क मंदिर में भव्य अभिषेक एवं कलश पूजा आज

### अहंकार और ममकार से निवृति होना ही उत्तम अकिंचन धर्म : मुनि सुगमसागर महाराज, सुपार्श्वनाथ पार्क में दशलक्षण पर्व के नवें दिन उत्तम अकिंचन धर्म की आराधना

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन समाज के दसलक्षण (पर्युषण) महापर्व के अंतिम दिन मंगलवार को अनंत चतुर्दशी पर आचार्य श्री सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क मंदिर में सुबह 6 बजे विधि विधान के साथ 108 रिद्धि मंत्रों से भव्य अभिषेक होगा। दोपहर 2 बजे कलश होगा। दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन सुबह प्रवचन में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना होगी। दशलक्षण महापर्व के नवें दिन उत्तम अकिंचन धर्म की आराधना की गई। प्रवचन में मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने कहा कि सबके बीच में रहकर अत्यंत निस्पृह, निस्वार्थ और स्वावलम्बी होकर जीने की क्रिया आकिंचन्य धर्म है। अहंकार ओर ममकार से निवृति होना ही अकिंचन है। मेरी आत्मा के सिवाय किंचित मात्र भी पर पदार्थ मेरा नहीं है ऐसा चिंतन करना ही उत्तम अकिंचन धर्म है। राग-द्वेष, मोह, कषाय जितने भी मेरे शुभ-अशुभ भाव है सब मेरे से अत्यंत भिन्न है। मैं एकाकी, शुद्ध, निरंजन भगवान आत्मा हूं ऐसा मनन विचार करना ही अकिंचन है। उन्होंने कहा कि जो वस्तु अतिरिक्त है उसे प्रयोग में नहीं लाकर त्याग करना चाहिए। इस संसार में तेरा-मेरा करने से कोई लाभ नहीं होने वाला है। हमारी यह सोच बन जाए कि आत्मा को छोड़ इस संसार में कुछ भी हमारा नहीं है तो यह भी उत्तम अकिंचन धर्म होगा। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि दशलक्षण पर्व के नवें दिन सुपार्श्वनाथ मंदिर में मुख्य शांतिधारा व आरती का सौभाग्य कैलाशचन्द्र,सुशीला,मनीष,प्रियंका, आयुष, अक्षिता गोधा परिवार व श्रीमती रेखा गदिया ने लिया।

## सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा सिक्किम के पत्रकारों को सम्मानित किया गया

**गंगटोक. शाबाश इंडिया**

प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत, रजिस्ट्रार, एसपीयू (सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी), गंगटोक ने 15 सितंबर, 2024 को लघु कार्यक्रम के समापन दिवस पर प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम राज्य की कार्यकारी समिति के सदस्यों सहित सिक्किम राज्य के 50 पत्रकारों को सम्मानित किया। पत्रकारिता पर टर्म कोर्स, प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम द्वारा 13 से 15 सितंबर, 2024 तक रक्छवठ, सिक्किम राज्य सहकारी संघ में आयोजित किया गया। प्रोफेसर डॉ।)। रमेश कुमार रावत ने आईआईएमसी के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मृणाल चटर्जी सहित देश के संसाधन व्यक्तियों और मीडिया शिक्षकों और प्रसिद्ध पत्रकारों का भी खादा और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. मृणाल चटर्जी ने प्रोफेसर (डॉ.) रमेश कुमार रावत को अपनी पुस्तक ''अंडरस्टैंडिंग मीडिया इन न्यू नॉर्मल टाइम्स'' भेंट की। जिन पत्रकारों को सम्मानित किया गया वे हैं: भीम रावत, अध्यक्ष, समीर हैंग लिम्बु, कार्यकारी अध्यक्ष, दिली राम दुलाल-महासचिव, रुद्र कौशिक, उपाध्यक्ष, बिकास छेत्री, उपाध्यक्ष, रॉबिन शर्मा, उपाध्यक्ष, जगन दहल, कोषाध्यक्ष, एरन राय, साहित्य सचिव, बिष्णु नियोपेनी, खेल सचिव, श्रीमती सुसमा छेत्री, सहायक कोषाध्यक्ष, पंकज ढुंगेल, प्रचार सचिव, निर्मल मंगर, सांस्कृतिक सचिव, प्रेस क्लब सिक्किम राज्य के सुभाष तमांग ओएस। इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.)

रमेश कुमार रावत ने पत्रकार नंद लाल शर्मा, भावना राय, सुबेन प्रधान, सुष्मिता भुजेल, नर बहादुर छेत्री, अनुशीला शर्मा, अर्चना प्रधान, सोनू तमांग, दिलीप कार्की, आदित्य हैंग लिंबू को भी सम्मानित किया। सूरज लिंबू, बलराम भुजेल, भीम बहादुर सुनार बिस्वा, मोहन कुमार कार्की, नीमा लामू तमांग, सरोज गुरुंग, अमृता गुरुंग, दीपेन छेत्री, मनिता तमांग, आनंद बस्नेत, दुर्गा शर्मा, अटल अधिकारी, अर्चना तमांग, आनंद बस्नेत, अर्चना तमांग, सुरेश राय, अजूबा बरैली, पारबती शर्मा, अनिकेत शर्मा, मेनुका स्टेला राय, सृष्टि प्रधान, सूरज शर्मा, प्रीतम लामा, निर्मला छेत्री, महेंद्र सेवा (दारजी), किशन छेत्री, सुशील राय और मधु पीडी। शर्मा. ये पत्रकार प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया और समाचार एजेंसियों से हैं।

# श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्याल्य बापूनगर द्वारा दशलक्षण पर्व पर हुए भव्य आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्याल्य बापूनगर द्वारा दशलक्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा हैं । मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजकुमार सेठी ने बताया कि मंदिर स्थापना वर्ष से लगभग 67 साल में पहली बार पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय श्री ताराचंद जी पाटनी साहब के मार्ग दर्शन के बिना बहुत भारी मन से दशलक्षण पर्व मनाया जा रहा है। सेठी के अनुसार मंदिर जी मे प्रतिदिन प्रातः 6 बजे भक्तामर स्तोत्र पाठ 6_ 30 बजे से जिनेन्द्र प्रभु के अभिषेक शांतिधारा व उसके पश्चात पूजन विधान आयोजित किया जाता हैं, मंत्री जे के जैन ने बताया की दिनांक 8 सितंबर से 17 सितंबर तक प्रतिदिन दशलक्षण पर्व के अवसर पर ममता शाह एवम समता गोदिका द्वारा साजो पर दशलक्षण धर्म की विधान पूजा की जा रही है जिसमें प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव से भाग ले रहे है। इसी क्रम में सभी भक्तगण सायंकालीन समय में मंदिर जी प्रांगण में आरती करते है,रात्रि 7 बजे से 8 बजे तक शास्त्र प्रवचन होता है। उसके बाद रात्रि 8 बजे भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है कार्यक्रम संयोजक सुभाष पाटनी व रवि सेठी ने बताया कि प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमो में जैन समाज के देश के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे है। जिसमें 8 तारीख को मंगल दीप प्रभावना व नरेंद्र जैन संगीतकार के भजनों ने सभी को खूब भक्ति कराई, 9 तारीख को हरिद्वार से पधारे डी पी कौशिक व उनकी पार्टी ने नमोकार महामंत्र की महिमा नाटक प्रस्तुत किया, 10 तारीख को जैन समाज के ख्यातनाम कविगण देश के अलग अलग हिस्सों से पधारे , सभी ने बहुत सुंदर अपनी रचनाएं सुनाई । जिसमें अजय जैन अहिंसा , पंकज जैन फनकार ,कमलेश जैन बसंत ,आदित्य जैन , संजय बाबूजी व सलोनी जैन की कविताओं को सभी ने मंत्रमुग्ध होकर सुना । 11तारीख को बहुप्रतीक्षित कार्यकम आदिपुराण नाटक जिसे बापू नगर जैन समाज की महिलाओं व बच्चो ने कई दिनों से तैयारी कर मंचन किया जिसे समाज बंधुओ की खूब प्रशंशा मिली । 12 तारीख को इंदौर से आए कलाकार प्रसिद्ध गायक मयूर जैन के भजनों ने सभी थिरकने को मजबूर किया। मंदिर जी के संयुक्त मंत्री महावीर जैन झागवाले ने बताया कि 13 तारीख को सुगंध दशमी के अवसर पर नंदीश्वर दीप व पंचमेरू जी की बहुत भव्य , सुंदर , व ज्ञानवर्धक झांकी सजाई जिसका अवलोकन करने हजारों की संख्या में श्रद्धालु गण पधारे । श्रीमती पूजा सेठी ने झांकी का महत्व बहुत अच्छे से सभी को समझाया । 14 तारीख को म्यूजिकल जैन धार्मिक हाऊजी का अयोजन श्रीमती समता गोदिका ने अपनी मधुर आवाज में भजनों के माध्यम से करवाया । 15 तारीख को दोपहर में प्रसिद्ध गायक राजीव विजयवर्गीय ने बहुत ही कर्ण प्रिय भजन प्रस्तुत किए व रात्रि 8 बजे से जैन जगत के प्रसिद्ध गायक कलाकार इंदौर से पधारे रूपेश जैन ने अपने भजनों के माध्यम से खूब भक्ति करवाई। 16 तारीख को बहुत सुंदर नाटिका बज्र बाहु का वैराग्य का मंचन किया । जिसने सभी का मन मोह लिया । अध्यक्ष राजकुमार सेठी ने बताया की अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर दिनांक 17 / 9 / 24 को प्रात नियमित कार्यकम अभिषेक शांतिधारा मंडल पर विधान पूजन यथावत मंदिर जी मे होंगे । व पंडाल में सभी भक्तगण प्रातः 7 .30 बजे से सामूहिक पूजन करेंगे , व दोपहर में मंडल पर चौबीस भगवान की सामूहिक पूजा होगी । तत्पश्चात सायंकाल 6 बजे जिनेन्द्र भगवान के कलशाभिषेक होंगे । रात्रि में 7. 30 बजे सामूहिक आरती 108 दीपक प्रज्वलित कर मंदिर जी मे की जाएगी व रात्रि 8 बजे से सामूहिक भक्तामर स्तोत्र पाठ आयोजित किया जाएगा । कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मोदी ने बताया की इन सभी कार्यक्रमो के लिए भक्तगण मुक्त हस्त से दान देकर कार्यक्रमो को भव्य बनने सहयोग कर रहे हैं,18 तारीख को सायंकाल 6 बजे से सौलह कारण जी के पश्चात श्रीजी के अभिषेक किए जायेंगे । तत्पश्चात सभी श्रावक एक दूसरे से वर्ष भर अपने द्वारा की गई गलतियों के लिए क्षमा याचना करेंगे । इसी अवसर पर मंदिर समिति सभी से हाथ जोड़कर किसी भी प्रकार की व्यवस्थाओं में रही असुविधा , व कमियों के लिए विनय पूर्वक क्षमा याचना करती है।

# इंजी. बी पी जैन एमिनेंट इंजीनियर पुरस्कार से सम्मानित

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

57 वें इंजीनियर्स डे (15 सितम्बर, 2024) के अवसर पर जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर के संयुक्त सचिव इंजी. बुद्धि प्रकाश जैन को इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर जयपुर द्वारा एमिनेंट इंजीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया । जैन को यह पुरस्कार उनके अभियांत्रिकी सेवा काल के दौरान एवं सेवानिवृति पश्चात देश व समाज को दिये उत्कृष्ट योगदान के लिए इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स के जयपुर स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंजी. वी सरवाना कुमार ( सचिव एवं आयुक्त विज्ञान व प्रोद्योगिकी, राजस्थान सरकार) द्वारा दिया गया । कार्यक्रम में इंजी. महेंद्र कुमार चौहान चेयरमैन IEI RSC Jaipur, इंजी. एस एस यादव स्टेट काउंसिल मेंबर IEI, डा. हेमंत गर्ग सचिव IEI RSC जयपुर, इंजी. पीसी छाबड़ा मानद सचिव JES फाउंडेशन एवं अन्य गणमान्य शिक्षाविदों व अभियंताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।इंजी. बुद्धि प्रकाश जैन ने मालवीय क्षेत्रीय अभियांत्रिक महाविद्यालय (MREC) जयपुर से वर्ष 1982 में सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक (BE) किया एवं तत्पश्चात भारतीय अभियांत्रिक सेवा में वर्ष 1984 परीक्षा में चयनित होकर सेना अभियंता सेवा में सहायक अधिशासी अभियंता पद पर सेवा में प्रवेश किया। इसके पहले 3 वर्ष से अधिक समय तक MREC जयपुर में व्याख्याता पद पर रहते हुए इन्हें IE(I) कोलकाता से अपने शोध पत्र के लिए पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। भारतीय सेना में रहते हुए इन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से स्नातकोत्तर (M. Tech.) विशिष्ठ श्रेणी से पूर्ण करी। लगभग 32 वर्षों की सेवा पश्चात जैन निदेशक पद से वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हुए । जैन ने अपने सेवाकाल में कई उत्कृष्ट कार्य किये जिनके लिए इन्हे समय समय पर सम्मानित किया गया । सेवानिवृत्ति पश्चात जैन ने अपना पूरा समय समाज सेवा में समर्पित कर दिया है। ऐसे उत्कृष्ट इंजीनियर का चैप्टर का सदस्य होने पर जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर के सभी सदस्य गर्वान्वित हैं।

# दिगंबर जैन मंदिर चौमूं में दस लक्षण पर हुए कार्यक्रम

**चौमूं. शाबाश इंडिया**

शहर में चंद्रप्रभु शांतिनाथ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में जैन समाज द्वारा दस लक्षण महापर्व के नवे दिवस पर प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा पूजन की गई। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि आज के अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य मुकेश कुमार मोहित कुमार पाटनी को प्राप्त हुआ। उत्तम आकिंचन धर्म पूजन बताता है कि प्रत्येक सफलता के पीछे दो कारण होते हैं पुरुषार्थ और त्याग। इसलिए त्याग के माध्यम से हम सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। आयोजक सुनील जैन बताया कि धर्म ज्ञान गंगा प्रतियोगिता का विमोचन किया गया हेलो हाय छोडो जय जिनेंद बोलो प्रतियोगिता 2 मिनट प्रतियोगिता प्रश्नोत्तरी मंच के सभी विजेताओं को राजेंद्र कुमार अभिषेक कुमार बडजात्या द्वारा पुरस्कार दिए गए बच्चों में साक्षी जैन खुशी जैन विनीता पहाड़िया रेनू जैन ज्योति जैन विजेता रही हेलो हाय छोडो जय जिनेंद्र बोलो प्रतियोगिता प्रतिदिन लकी ड्रा द्वारा निकाली जाती है हेलो हाय प्रतियोगिता में जय जिनेंद्र बोलने वाले को सम्मानित किया जाता है। संयोजक नितेश पहाड़िया के सानिध्य में आयोजकों द्वारा महा आरती णमोकार भजन जैन अंताक्षरी इत्यादि कार्यक्रम संपन्न हुए।हीरालाल जैन ने बताया कि इन सभी कार्यक्रम के दौरान शांति देवी, शशि देवी, प्रभा देवी, मधु जैन, कमला देवी, बबीता जैन, शिल्पी पहाड़िया, सुनीता जैन,मीना देवी, चंदा देवी जैन, समाज पूर्व उपाध्यक्ष निहालचंद जैन, जयकुमार जैन जैन, समाज अध्यक्ष राजेंद्र जैन, मंत्री राजेंद पाटनी, अजय जैन , पदमचंद जैन, अनिल जैन, राजेंद्र कासलीवाल, पारसमल जैन , अशोक जैन इत्यादि श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थी।

# डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में विशेषज्ञ सलाहकार सदस्य के रूप में मनोनीत

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया।** प्राकृत भाषा एवं साहित्य में विद्यावारिधि की उपाधि से विभूषित,विभिन्न उपाधियों एवं अनेक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित विदुषी रत्न डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव को भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक आयोग के पैनल में विशेषज्ञ सलाहकार सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। आप राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित जैनदर्शन,प्राकृत भाषा के प्रसिद्ध विद्वान,सम्पूणार्नंद सं.वि.वि. में जैनदर्शन के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. फूलचंद जैन 'प्रेमी' एवं आदर्श महिला के सम्मान से सम्मानित प्रसिद्ध जैन विदुषी डॉ. मुन्नीपुष्पा जैन (वाराणसी) की सुपुत्री एवं समाजसेवी श्री राकेश जैन (दिल्ली) की जीवनसंगिनी हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के सानिध्य में ''नवीन संसद भवन'' के ऐतिहासिक भूमिपूजन एवं उद्घाटन समारोह में आयोजित 'सर्वधर्म प्रार्थना सभा' में आप 'जैन समाज' का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। भारत देश के माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, प्रतिष्ठित धर्म गुरुओं आदि कई विशिष्ट व्यक्तियों के सानिध्य में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं,विचार संगोष्ठियों, सेमिनार में एवं आकाशवाणी- दूरदर्शन सहित अन्य कई विशेष कार्यक्रमों में मंचसंचालन एवं जैन प्रार्थना के साथ ही भारतीय संस्कृति,जैन संस्कृति,नैतिक मूल्य, अहिंसा,शाकाहार आदि अनेक विषयों पर आपने प्रेरक वक्तव्य दिए हैं और निरंतर सामाजिक,धार्मिक क्षेत्रों में अपना समर्पित योगदान दे रही हैं। डॉ. इन्दु जैन को अल्पसंख्यक आयोग के पैनल में विशेषज्ञ सलाहकार सदस्य के रूप में मनोनीत होने पर समस्त श्रेष्ठजनों ने बधाई दी है।

दसलक्षण महापर्व (पर्यूषण पर्व), अनंत चतुर्दशी, दसवां दिन

# देह नहीं, देही को पहचानो

## (अपनी आत्मा में रमण करना उत्तम ब्रह्मचर्य है)

**डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर**

आज बात 'ब्रह्मचर्य धर्म' की हैं। ब्रह्मचर्य जो हमारी साधना का मूल हैं, सभी साधनाओं में ब्रह्मचर्य को सबसे प्रमुख स्थान दिया गया हैं। आत्मा ही ब्रह्म है उस ब्रह्मस्वरूप आत्मा में चर्या करना सो ब्रह्मचर्य है। जिस प्रकार से एक अंक को रखे बिना असंख्य बिन्दु भी रखते जाइये किन्तु क्या कुछ संख्या बन सकती है? नहीं, उसी प्रकार से एक ब्रह्मचर्य के बिना अन्य व्रतों का फल कैसे मिल सकता है अर्थात नहीं मिल सकता। आज के समय में लोगों के हृदय में देह आकर्षण हैं और देह आकर्षण को ही लोग प्रेम का नाम देने लगते हैं। बंधुओं! सच्चे अर्थों में वह प्रेम नहीं, वह तो केवल शारीरिक आकर्षण हैं, जो थोड़े दिन तक टिकता हैं, बाद में सब छूट जाता हैं। वस्तुतः प्रेम हमारे भीतर का आत्मिक स्तर का प्रेम होना चाहिए, वह प्रेम अगर एक बार उद्घाटित हो गया तो जीवन की दिशा-दशा सब परिवर्तित हो जाएगी। गृहस्थों को कहा गया कि तुम संयम में रहो, अपने स्वधार-संतोष व्रत का पालन करो, एक-दूसरे के अतिरिक्त सारे संसार में अपने भीतर पवित्रता ले आओ, तुम्हारा जीवन आगे बढ़ जाएगा क्योंकि काम का कभी अंत नहीं होता। जो व्यक्ति आत्मा के जितना निकट है वह उतना ही बड़ा ब्रह्मचारी है तथा जो आत्मा से जितना दूर है वह उतना ही बड़ा भ्रमचारी है । हमें ब्रह्मचारी और भ्रमचारी में अन्तर करके चलना है । ब्रह्मचारी का अर्थ है ब्रह्म ( ब्रह्ममय आचरण करने वाला ) में जीने वाला और भ्रमचारी का अर्थ है भ्रम में जीने वाला । भ्रम के टूटे बिना ब्रह्म को पाना असम्भव है और ब्रह्म को पाने के लिए उसका ज्ञान होना आवश्यक है । आत्मा की दूरी और नैकट्य से ही ब्रह्म और अब्रह्मचर्य का परिचय मिलता है। ब्रह्मचर्य व्रत के बिना जितने भी कायक्लेश तप किये जाते हैं वे सब निष्फल हैं, ऐसा श्री जिनेन्द्र देव कहते हैं। बाहर में स्पर्शन इन्द्रियजन्य सुख से अपनी रक्षा करो और अभ्यंतर में परमब्रह्म स्वरूप का अवलोकन करो। इस उपाय से मोक्षरूपी घर की प्राप्ति होती है। शील की रक्षा के लिए, नौ बाढ़ों का पालन करना चाहिए तथा अपना ब्रह्म स्वरूप अंतरंग में देखना चाहिए। तथा इनकी वृद्धि की भावना नित्य भानी चाहिए क्योंकि इससे ही यह मनुष्य भव सफल होगा। ब्रह्मचर्य को धारण करना हैं तो देह नहीं, देही को पहचानो। भीतर की आत्मा को पहचानो, जो शरीर में होकर के भी शरीरातीत हैं, उसे पहचानने की कोशिश करो। वह आत्म-तत्व हैं, जिसकी दृष्टि आत्मा पर केंद्रित हो जाती हैं, उसके हृदय में ब्रह्मचर्य का विलास प्रकट होता हैं और जिसकी दृष्टि में केवल शरीर होता हैं वह भोग की वासना का शिकार बनता हैं। अपने अंदर दृष्टि जाग्रत कीजिये और देह-दृष्टि से ऊपर उठने की कोशिश कीजिए। स्वतंत्रता की दुहाई देकर हम स्वच्छंद होते जा रहे हैं : आज गृहस्थ का आचरण मयार्दा विहीन होता जा रहा है। निरन्तर मयार्दायें टूट रही हैं । स्वतंत्रता की दुहाई देकर हम स्वच्छंद होते जा रहे हैं ।पश्चिम की अय्यासी जिंदगी का भूत सवार है । ऐसे युग में यदि हमें ब्रह्मचर्य धर्म की शिक्षा और उसके संस्कार लेने हैं तो सबसे पहले विदेशों से आई इस अपसंस्कृति से बचना होगा । कुत्सित साहित्य , फिल्मी संसार और भड़कीले तथा अमर्यादित फैशन / परिधान से बचना होगा । खानपान की शुद्धि पर ध्यान रखकर शुद्ध सात्विक विचारधारा रखनी होगी । अपने घर परिवार , समाज , नगर , राज्य और देश की जिन सीमा / मयार्दाओं का उल्लंघन कर हमने समुन्दर पार पश्चिम की सभ्यता को अपना लिया है उसे आज ही और इसी समय तिलांजलि देना होगी और भारतीय चिन्तनधारा के मूल संयम / सादगी से बंधना होगा । जैसे बाँध फटता है तो तबाही हो जाती है ठीक वैसे ही जब मयार्दा टूटती है व्यक्ति की, परिवार की , समाज की तो फिर पतन ही पतन, विनाश ही विनाश रहता है। शील की रक्षा के लिए, नौ बाढ़ों का पालन करना चाहिए तथा अपना ब्रह्म स्वरूप अंतरंग में देखना चाहिए। तथा इनकी वृद्धि की भावना नित्य भानी चाहिए क्योंकि इससे ही यह मनुष्य भव सफल होगा।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

# नृत्य नाटिका "भावों से भव" का हुआ मंचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विशुद्ध रत्न मुनि श्री 108 समत्व सागर महाराज एवं शीलसागर महाराज की प्रेरणा से एक भव्य नृत्यनाटिका नाटिका " भावों से भव" का मंचन समाज की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा संयोजिका श्रीमती पूनम तिलक एवं नेहा जैन रुचि काला के नेतृत्व में किया गया। संयोजक पूनम तिलक ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर जैन समाज के गौरव देवेन्द्र जैन थे। दीपप्रज्वलनकर्ता कीर्ति नगर के भामाशाह अशोक - शकुंतला, अंकित चांदवाड़ परिवार रहा। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, युवा महासभा के जिला कार्याध्यक्ष एवं आवासन मंडल के चीफ कोऑर्डिनेटर भारत भूषण जैन रहे। इस मौके पर जिला महामंत्री सुभाष बज, सांस्कृतिक मंत्री एडवोकेट बरखा जैन, मानसरोवर सम्भाग के अध्यक्ष मुकेश कासलीवाल, टोंक रोड जोन के अध्यक्ष अमित शाह आदि ने सहभागिता निभाई। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति अध्यक्ष अरुण काला , महामंत्री जगदीश जैन, उपाध्यक्ष प्रेम जैन, मंत्री राजकुमार जैन मनीष शाह ने सभी का स्वागत एव सम्मान किया। कार्यक्रम संयोजक प्रकाश गंगवाल एवं अखिलेश गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। आज की युवा पीढ़ी को संस्कार देने वाली इस नृत्य नाटिका में छोटे छोटे बालक - बालिकाओं, महिलाओं ने विशेष भूमिका अदा की।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

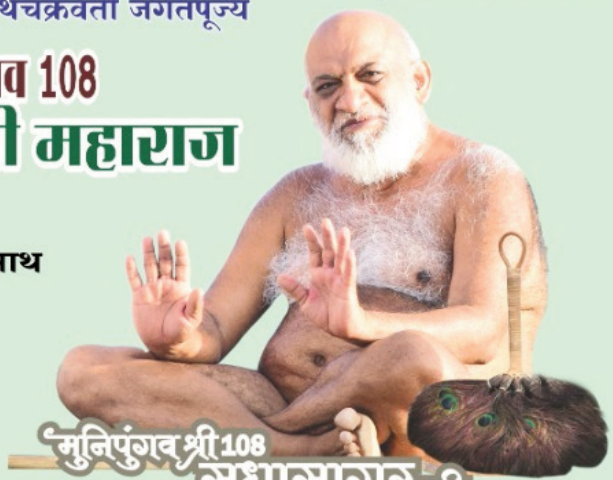

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज
महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108
श्री सुधासागर जी महाराज
के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ
अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं
श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति
मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 वरिष्ठ सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 विदेह सागर जी महाराज
29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
25-26 सितम्बर, 2024
राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या टीम का विशेष अनुरोध :
आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।
: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला जैन डोड्या जयपुर
महामंत्री श्रीमती इन्दु गाँधी अशोक नगर
कोषाध्यक्ष डॉ. वन्दना जैन जयपुर
युवा प्रकोष्ठ मंत्री डॉ. ममता जैन पुणे
महिला प्रकोष्ठ मंत्री मधु शाह कोटा
संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी
सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन
वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।
विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)
सुरेन्द्र जैन (सट्टू) अध्यक्ष 93029-12981
राजकुमार जैन मिड्डी महामंत्री 94605-67981
राजेश जैन एडीना अध्यक्ष 93029-12981
राजेन्द्र जैन केसली गौरव अध्यक्ष 94251-71451
ऋषभ जैन बादरी मुख्य संयोजक 93029-10021
सुरेन्द्र जैन डबडेरा कोषाध्यक्ष 98262-93384
आशीष जैन पटना स्वागत अध्यक्ष 94251-72301

# 108 रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ स्वर्ण एवं रजत झारियों से हुए पंचामृत अभिषेक, दुग्ध शांतिधारा

## जैन नसियां में मनाया गया 26 जिनबिंब प्रतिमाओं का प्राकट्य महोत्सव

## अनंत चतुर्दशी पर्व आज मनाया जाएगा

**टोंक. शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन नसिया अमिरगंज टोंक में चल रहे दसलक्षण पर्व के अंतर्गत सोमवार को जैन नसिया के मूलनायक श्री 1008 आदिनाथ ''नसिया के बड़े बाबा भगवान'' सहित 26 जिनप्रतिमाओं का प्राकट्य महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ने बताया कि भाद्रपद त्रयोदशी पर भूगर्भ से प्राप्त 26 जिन प्रतिमाओं का प्राकट्य महोत्सव के पावन अवसर पर अभिषेक हुए इस मौके पर आदिनाथ, शांतिनाथ, संभव नाथ ,चंद्रप्रभु, पदमप्रभु भगवान सहित चौबीसों भगवान के आगे अर्घ्य समर्पित किए गए तत्पश्चात आचार्य वर्धमान सागर, विद्यासागर, विराग सागर सहित समस्त आचार्य के अर्घ्य समर्पित किए गए तत्पश्चात श्री आदिनाथ परिमार्जन समिति द्वारा सभी जिनबिंब प्रतिमाओं का परिमार्जन बारी-बारी से किया गया इस मौके पर अशोक शामपुरा, अंकित बिलासपुरिया, आयुष फुलेता, आदिश गंगवाल, कीनू,अनिल सर्राफ, अंकुर पाटनी, ओम ककोड़, मोंटू, नीटू छामुनिया, मुकेश बरवास, डॉ चेतन , धर्मेन्द्र, आदि के समाज के लोग उपस्थित थे पर्यूषण पर्व के नोवे दिन दसलक्षण महामंडल विधान में सोमवार को प्रकट उत्सव के उपलक्ष में उत्तम आकिंचन धर्म पूजा अर्चना की गई तथा इंद्र एवं इंद्राणियो द्वारा श्रीफल के अर्घ्य समर्पित किए गए इस मौके पर मधुर ध्वनि के भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया आज ही के 1953 में भूगर्भ से 26 प्रतिमाएं प्राप्त हुई थी जिसके अंदर 8 प्रतिमाएं बड़ा तख्ता मंदिर में और 18 प्रतिमाएं नशियां जी में विराजमान हुई भगवान आदिनाथ की और भगवान शांतिनाथ की दोनों जगह आज फल से फूलों से और नैवेद्य बनाकर पूजन में समर्पित किए गए सांस्कृतिक मंत्री विकास अत्तार ने बताया कि सायकाल को मंगला आरती एवं आरती सजाओ प्रतियोगिता भव्य आयोजन हुआ तत्पश्चात प्रशन मंच स्वाध्याय जिनवाणी ज्ञान का कार्यक्रम प. मनोज जी शास्त्री के सानिध्य मे हुआ। समाज के अध्यक्ष भागचंद वर्षायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया ने बताया कि मगंलवार को दस लक्षण पर्व के समापन पर अनंत चतुर्दशी पर्व मनाया जाएगा इस दिन जैन धर्मावलंबी शहर के सभी मंदिरों एवं जिनालय के दर्शनों के लिए निकलेंगे एवं पूजा-अर्चना करेंगे।

प्रातःकाल पंचामृत अभिषेक हुए जिसमें फलों के रस ,चंदन, केसर, सर्वऔषधी, पुष्प ,घी, दूध दही के पश्चात बड़ी शांतिधारा का कार्यक्रम बालाचार्य 108 निपूर्णनंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य एवं पण्डित मनोज जी शास्त्री एवं प्रमोद जी शास्त्री, वीरेंद्र जी शास्त्री नैनवा के मुखारविंद से आयोजित हुआ। जिसका सौभाग्य त्रिलोकचंद, ज्ञानचंद राजेशकुमार, अशोक कुमार, पुनीत, मोहित, रोहित, अंशुल बोरदा वाले और वीरेंद्र पाटनी, अनिल ट्रांसपोर्ट नंदलाल संघी, महावीर प्रसाद पासरोटीया, महावीर प्रसाद दाखिया, गणेश निंबोला, नेमीचंद बनेठा, नीटू छामुनिया, रिंकू बोरदा, विनायक कलई, कमलेश कलई वाले, टोनी आडरा, अनिल आंडरा, रमेश रोहतक, रमेश काला, विपुल कल्ली,को प्राप्त हुआ इस मौके पर श्रावक को द्वारा फलों के रस में अनार, मोसंबी, पपीता, घी, दूध, सर्वोसधी, चंदन लेपन,सुगंधित जल आदि के भव्य पंचामृत

# सी स्कीम दिगंबर जैन मंदिर में हुई भव्य भजन संध्या

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी ई 3 गोखले मार्ग सी स्कीम पर भव्य भजन संध्या का आयोजन भक्ति भाव से किया गया। इस अवसर पर सी स्कीम जैन समाज के सदस्य परिवार के सभी सदस्यों के साथ उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। समाज सचिव संजय छाबड़ा ने बताया कि आज के इस भजन संध्या में प्रख्यात गायिका आंचल और निलांशी द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई है। भजन संध्या राजेंद्र-चित्रा छाबड़ा एवं कमल-शोभा छाबड़ा के द्वारा प्रायोजित की गई।

# उत्तम आकिंचन धर्म की पूजा हुई

**नौगामा. शाबाश इंडिया**

उत्तम आकिंचन धर्म के नवमे दिन आदिनाथ मंदिर,समवशरण मंदिर और सुखोदयतीर्थ नसिया जी में शांति धारा के बाद चातुर्मास पंडाल में परम पूज्य आर्यिका श्री पवित्रमति माताजी करणमती माताजी , गरिमा मति माताजी के सानिध्य में पंडाल श्रीजी का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य नानावटी विकेश विनोद चंद्र को प्राप्त हुआ । अभिषेक के बाद माता जी के सानिध्य में रत्नत्रय विधान का आयोजन हुआ । विधान में सो धर्म इंद्र पंचोरी भारत अमृतलाल कुबेर इंद्र रिंकेश महेंद्र गांधी ईशान इंद्र नितेश मीठालाल सनत इंद्र पंचोरी

दीपक अमृतलाल एवं इंद्र पंचोरी संजय रमण लाल को बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस विधान द्रव्य दान करने का सौभाग्य वर्षा देवी प्रदीप कुमार रतनलाल को प्राप्त हुआ। विधान के बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ गांधी रमेश चंद्र ,वीना दीदी और राशि दीदी के निर्देशन में अर्घ्य चढ़ाए गए।

दोपहर में तत्वार्थ सूत्र का वाचन एवं आकिंचन धर्म पर मंगल प्रवचन हुआ। शाम को प्रतिक्रमण महा आरती मोनू भैया मुंगावली के मधुर स्वर लहरों के साथ 48 दीप विधान के दीप प्रज्वलित करवाए गए ।भक्तांबर महा आरती के दानदाता गांधी सुवीन जयंतीलाल थे इस अवसर पर चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन राजेंद्र गांधी गांधी नरेश जैन ने बताया कि चौदस के दिन 1008 आदिनाथ मंदिर की में 52 डेरी में विराजमान प्रतिमाओं का अभिषेक किया जाएगा। 10 लक्षण के उपलक्ष में संस्कार शिविर में शिवराथीयों द्वारा व्रत उपवास किए जा रहे हैं उनका पारणा 18 तारीख को माता जी के सानिध्य में होगा और दिनांक 19 तारीख को रथो उत्सव कार्यक्रम होगा। उक्त जानकारी युवा मंडल अध्यक्ष मुकेश गांधी और प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

# धर्म परायण नगरी डिग्गी में उत्तम आकिंचन्य धर्म की हुई पूजा

## मन का परिग्रह त्यागना उत्तम आकिंचन्य धर्म है : आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज

**डिग्गी. शाबाश इंडिया।** धर्मपरायण नगरी डिग्गी में शांतिनाथ जिनालय साधना केन्द्र में चातुर्मास कालीन वाचना में विराजमान आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में पंडित बृजेश कुमार शास्त्री के दिशा- निर्देश में अग्रवाल समाज 84 के तत्वाधान में दशलक्षण महापर्व के नौवें रोज उत्तम आकिंचन्य धर्म की पूजा हुई ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया की शांति नाथ जिनालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विभिन्न धार्मिक क्रियाएं हुई, बाद में टीकमचंद जैन शास्त्री दिल्ली ,घासीलाल, विमल कुमार, रमेशचंद, प्रसन्नकुमार अमित कुमार गोयल परिवार पचेवर निवासी ने श्रीजी की महा शांतिधारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया । इसी कड़ी में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू-चित्रा गोधा ,उदित -पूर्णिमा गोधा फागी निवासी ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम में फागी पंचायत के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य 108 श्री इन्द्र नंदी जी महाराज,मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी महाराज ने गोधा परिवार को मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया तथा सौधर्म इन्द्र गोविन्द जैन - श्रीमती राज जैन की अगुवाई में अग्रवाल समाज 84 के सभी पदाधिकारियों सहित सारे पूज्यार्थियों ने गोधा परिवार का तिलक,साफा, दुपट्टा, माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। उक्त समारोह में फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने बताया कि कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने जैन समाज की 129 साल सबसे पुरानी पत्रिका जैन गजट का नवीन अंक आचार्य श्री के कर कमलों में अवलोकन हेतु सोंपा जिसका आचार्य श्री ने अवलोकन कर मंगलमय आशीर्वाद प्रदान कर विमोचन किया तथा बताया कि उक्त पेपर सारे जैन समाज को घर-घर में मंगाना चाहिए जिससे सभी साधु संतों की,सारे समाज की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो सके ।कार्यक्रम में आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज ने आकिंचन्य धर्म पर प्रकाश डालते हुए अपने मंगलमय उदबोद्बन में श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मन का परिग्रह त्यागना उत्तम आकिंचन्य धर्म है, मिथ्यात्व का सबसे बड़ा कारण परिग्रह ही है, अर्थात जिस व्यक्ति ने अन्दर बाहर 24 प्रकार के परिग्रहों का त्याग कर दिया है वो ही परम समाधि अर्थात मोक्ष सुख पाने का हकदार हैं ,उतम आकिंचन्य अर्थात आत्मा के सिवा कुछ भी अच्छा नहीं लगना आकिंचन्य धर्म है, आत्मा के अपने गुणों के सिवाय जगत में अपनी अन्य कोई भी वस्तु नहीं है इस दृष्टि को रखना उत्तम आकिंचन्य धर्म है।


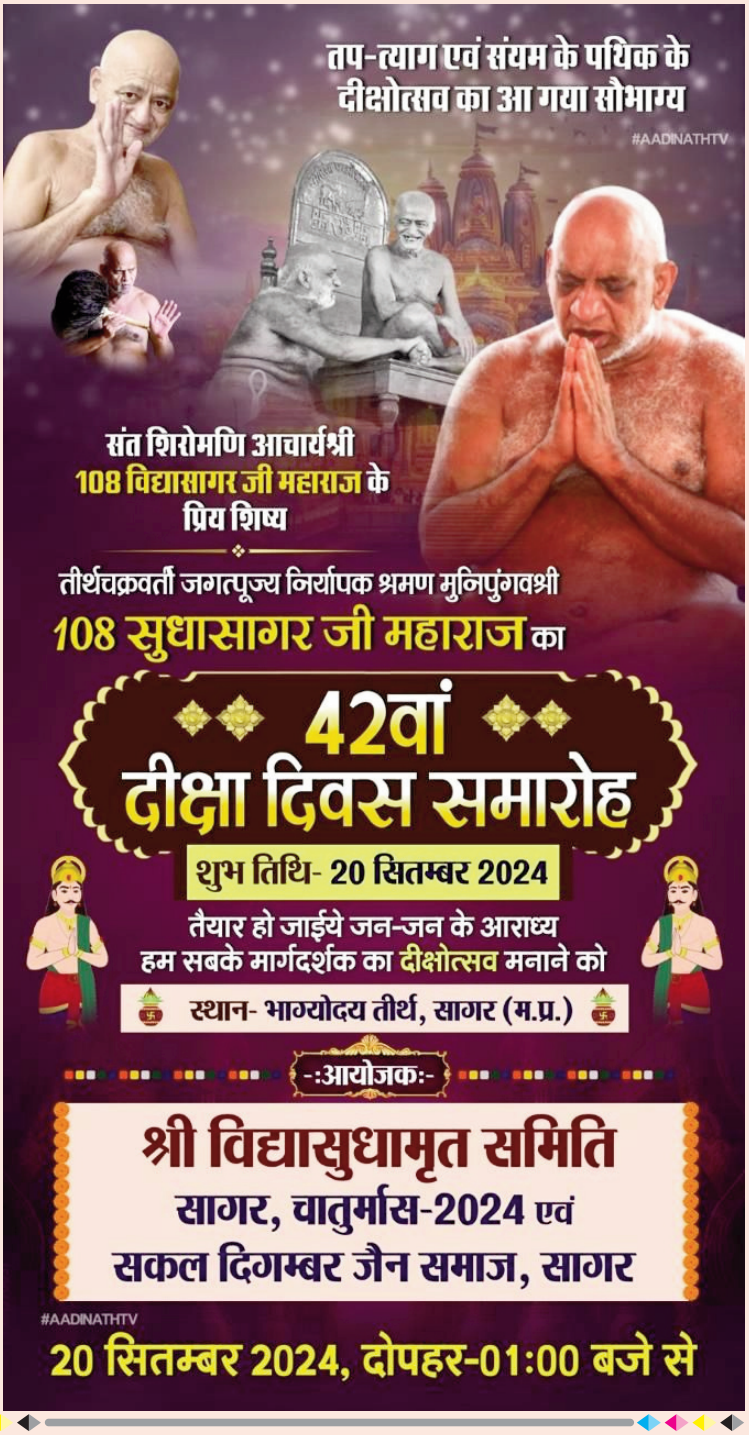

# विद्यासागर कथा का हुआ वाचनः कलाकारों ने किया अद्वितीय प्रस्तुतीकरण

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** महल योजना स्थित मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की जीवन कथा का वाचन किया गया। समिति समन्वयक अभिषेक सांघी कहा की युवा मंडल के आयुष जैन द्वारा मंचित कथा में आचार्य प्रवर के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं और उनके महान कार्यों को श्लोक संवादों के माध्यम से किया। आचार्य श्री के तप, त्याग, संयम और राष्ट्र निर्माण के सिद्धांतों को प्रस्तुत किया, जिसमें उनके बालिका शिक्षा, गौसेवा, आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनकी भावना का विशेष उल्लेख किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्वालुओं ने युवा मंडल के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में शिव कुमार, पिंकल, आदीष, दीपा, प्रिया, युविका, दिशा, अनन्या, अनुप्रेक्षा, रशिका आदि ने मार्मिक अभिनय किया।

## धमार्राधना का नौवां दिन उत्तम आकिंचन्य धर्म की साधना का दिन है : मुनि श्री विनय सागर जी

**भिंड. शाबाश इंडिया।** ममत्वभाव के त्याग का नाम अकिचन्य है, आत्म विकास हेतु आकिंचन्य गुण को अपनाना आवश्यक है, ममत्व या ममता सुख देने वाली है। ममत्व, शरीर, संपत्ति और संबंधियों के प्रति होता है, यही संसार परिभ्रमण का कारण है। ममत्व का त्याग करके शाश्वत आत्म वैभव को पाने का प्रयास करना चाहिए। यह विचार आर्यिका श्री धारणामती माता जी ने दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनगर कालोनी में उत्तम आकिंचन्य धर्म पर प्रवचन के अवसर पर व्यक्त किए। जीव को अपने कर्मो का फल स्वयं भोगना पड़ता है। एकत्व की अनुभूति राग, द्वेष और वीतरागता की दशा में होती है। एकत्व का नाम आकिंचन धर्म है। इष्ट वियोग अनिष्ट संयोग में समता रखते हुए रागद्वेष करते हुए मैं शुद्ध हूं, बुद्ध हूं, परमाणु मात्र भी मेरा नहीं, शरीर, धन, संपत्ति, परिवार सब नाशवान है। मेरा कुछ नहीं, साथ जाने वाला भी नहीं। अपने कल्याण हेतु धर्म को अपने आचरण में लाना होगा। तत्वार्थ सूत्र का वाचन मुनि श्री ने किया। उन्होंने कहा कि आत्मसंतोष होना ही आकिंचन धर्म में प्रवेश है।महावीर कीर्तिस्तंभ प्राचीन जैन मंदिर में विराजमान मुनि श्री 108 विनयसागर महाराज ने उत्तम आकिंचन्य धर्म पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धमार्राधना का नौवां दिन उत्तम आकिंचन्य धर्म की साधना का दिन है। प्रथम उत्तम क्षमा के दिन से यात्रा प्रारंभ कर क्षमा का बीज मार्दव की उर्वरा भूमि में अंकुरित होकर सीधा चला। निर्लोभता के भाव से सत्य को छूते हुए, संयम परिणाम रखकर बाहर की सर्दी-गर्मी आदि सहन करते हुए, विकारी भावों का विसर्जन कर आज आकिंचन्य धर्म की आराधना में संलग्न हुए हैं। यही हमें अपनी मंजिल उत्तम ब्रह्मचर्य तक ले जाएगा। आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य दस धर्मों के सारभूत हैं, क्योंकि ये चारों गतियों के दुखों से छुड़ाकर मोक्ष सुख में पहुंचाते हैं।मुनिश्री ने कहा कि जैसे उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौचधर्मों की विरोधी क्रमशः क्रोध, मान, माया, लोभ कषायें हैं, वैसे ही आकिंचन्य धर्म का विरोधी परिग्रह को कहा गया है। परिग्रह के अभाव में ही आत्मा में आकिंचन्य धर्म प्रकट होता है। आकिंचन्य धर्मी के परिग्रह का पूर्ण अभाव होता है, ऐसे उत्तम आकिंचन्य धर्मधारी नग्न दिगम्बर वीतरागी सन्त होते हैं। मुनिराज पर्वत पर नग्न मुद्रा में खड़े हैं। ये मूर्च्छारहित, ममता रहित, वीतरागी निर्ग्रन्थ पूर्णतः निर्भय और निश्चिंत हैं। इसी से सभी के द्वारा पूज्य हैं, वन्दनीय हैं तभी तो सुर और असुर भी इनके चरणों में झुकते हैं। परिग्रह आकिंचन्य धर्म का प्रबल विरोधी है।क्षुल्लक श्री 105 विधेय सागर जी महाराज ने कहा कि संसार में नौ ग्रह हैं। ये बलवान नहीं इनसे बचने की चेष्टा करो या नही करो लेकिन सबसे बड़ा ग्रह परिग्रह है इनसे बचो।

## वरुण पथ में वज्रबाहु का वैराग्य नाटिका का भव्य मंचन हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मानसरोवर महिला मंडल वरुण पथ में वज्रबाहु का वैराग्य नाटिका का भव्य मंचन हुआ। महिला मंडल वरूण पथ की अध्यक्षा डॉ. सुशीला टोंग्या ने अवगत कराया की 15 सितंबर को मंदिर जी प्रांगण में वज्रबाहु का वैराग्य नाटिका का भव्य मंचन हुआ कार्यक्रम की शुरूआत मनोज प्रीति सौगाणी के दीप प्रज्वलित करने से हुई। मुख्य अतिथि उमेश जैन सरोज जैन खातीपुरा वाले एंव अन्य प्रमुख अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। मंगलाचरण में खुशबू जैन,अंजू शाह, दिव्या काला ने अपने नृत्य से नाटक की शुरूआत की नाटक के निर्देशक राहुल जैन व श्वेता बाकलीवाल ने अपनी आवाज में नाटक के संवाद बोलकर नाटक में चार चांद लगा दिये । नाटक के पात्र में( महाराज सुबीर) संध्या जैन, (राजकुमार वज्रबाहु) जया जैन, (राजकुमारी) निधि जैन (जयदेव अंगरक्षक) प्रेरणा जैन (मकरध्वज मनोरमा के भाई) पूर्णिमा सेठी (दूत) अंकिता जैन, (यमदूत) नेहा जैन, ( मुनिराज ) देवांश जैन ने अपने किरदार को बखूबी निभाया। राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारी, राजस्थान आंचल महासमिति की पर्यवेक्षक टीम के पदाधिकारी ,मंडल के सभी पदाधिकारी सुशीला टोंग्या, चंद्रकांता छाबड़ा, मिथिलेश गोधा, शशि सेन जैन ,हीरामणि छाबड़ा , वीणा जैन, हिमानी जैन, हीरा पथ महिला मण्डल की अध्यक्षा, तारामणि गोधा, नवकार ग्रुप कर अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल ने नाटक के निर्देशक व सभी पात्रों का आभार व्यक्त किया और भूरी भूरी प्रशंसा की।

# दसलक्षण महापर्व के नवम दिन की उत्तम अकिंचन धर्म की आराधना

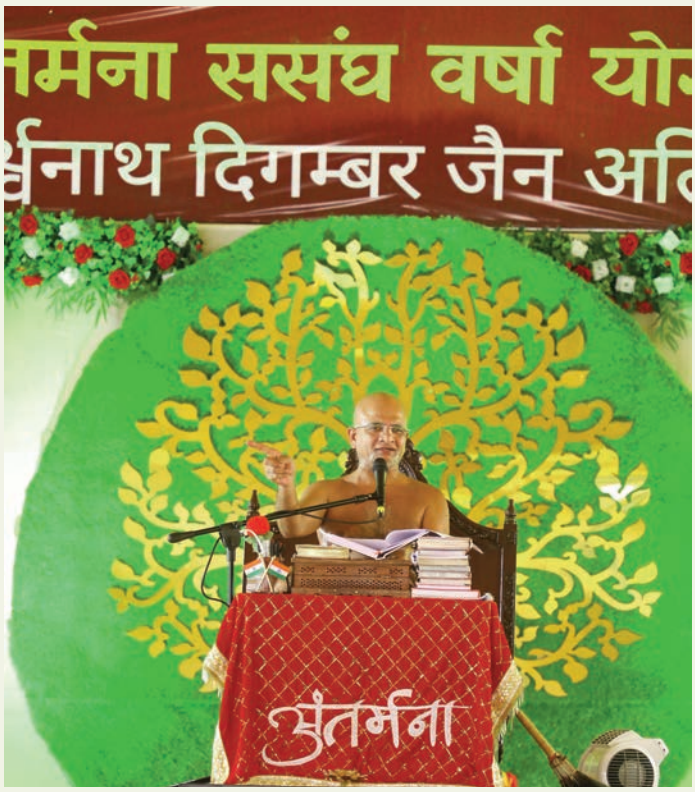


**कुलचारम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया**

तेलंगाना के मेदक जिले में स्थित श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, कुलचारम में चातुर्मास के दौरान नवम दिन का विशेष आयोजन हुआ। यह दिन उत्तम अकिंचन धर्म की पूजा और आराधना को समर्पित था। साधना शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के आशीर्वाद और उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज के निर्देशन में इस पवित्र दिन का आयोजन संपन्न हुआ। प्रातः काल में भगवान पार्श्वनाथ की पूजा, जिन आराधना, और मंगल अभिषेक के साथ शांति धारा का आयोजन हुआ। साथ ही गौग्रास सेवा और बंदर ग्रास सेवा के माध्यम से जीव दया का भी पालन किया गया। श्रावक-श्राविकाओं ने बड़े उल्लास के साथ इन धार्मिक क्रियाओं में भाग लिया और पुण्य अर्जित किया। चल रही निरंतर साधना मे अंतर्मना गुरुदेव की त्रिलोकसार व्रत का 2दिवस पश्चात निर्विघ्न संपन्न हुआ पारणा। इस पावन अवसर पर संघ ने भी आहाचार्य की विधि संपन्न की। उत्तम अकिंचन धर्म की पूजा विधान और तत्त्वार्थ सूत्र पर अंतर्मना गुरुदेव के मुखारविंद से विशेष वाचन हुआ, जिसमें धर्म के गूढ़ मर्म और सिद्धांतों को सरल भाषा में समझाया गया। मध्यान के समय प्रवर्तक मुनि सहज सागरजी महाराज ने तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन किया। इसके बाद गुरुपूजन संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के प्रति अपनी आस्था और भक्ति प्रकट की। इस अवसर पर गुरुभक्ति के महत्व पर भी चर्चा विषय संपन्न हुआ। संध्याकाल में श्रावक प्रतिक्रमण और गुरुभक्ति का आयोजन हुआ, जिसमें उत्तम अकिंचन धर्म के मर्म को प्रवचनों के माध्यम से विस्तार से समझाया गया। इसमें बताया गया कि अकिंचनता का अर्थ किसी भी प्रकार की माया, मोह और भौतिक आसक्तियों से मुक्त रहना है। यह आत्मा की शुद्धि का मार्ग है, जो हमें संसार के बंधनों से मुक्त करता है और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करता है। अंतिम सत्र में 24 तीर्थंकरों के नाम चिन्हों पर प्रवचन और मंगल आरती के साथ इस पावन दिवस का समापन हुआ। उत्तम अकिंचन धर्म के दिन का यह आयोजन धर्म, साधना और भक्ति का संगम था, जिसने श्रद्धालुओं के हृदय में आध्यात्मिकता का संचार किया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक वातावरण को पवित्र किया, बल्कि सभी को आत्मशुद्धि और संयम के महत्व को भी समझने का अवसर प्रदान किया। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

# सुई के बराबर परिग्रह का त्याग है : उत्तम आकिंचन धर्म

**सीकर. शाबाश इंडिया।** उत्तम आकिंचन का मतलब सुई के बराबर भी परिग्रह न होना है। साथ ही मन, वचन और काय से अंतरंग एवं बाह्य परिग्रह का त्याग करना है। पांच पापों, सप्त व्यसनों और पच्चीस कषायों के त्याग किए बिना उत्तम आकिंचन धर्म आ नहीं सकता। श्रावक भी नियमों एवं व्रतों को धारण कर उत्तम आकिंचन धर्म प्राप्त को प्राप्त कर सकता है। उक्त धर्मोपदेश पंडित जयन्त शास्त्री बजाज रोड स्थित श्री दिगंबर जैन नया मंदिर में दस लक्षण पर्व के नौंवे दिन उत्तम आकिंचन (अपरिग्रह) धर्म पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रियंक जैन ने जानकारी देते हुए कहां जिस तरह लकड़ी का टुकड़ा पानी में डूबता नहीं है और लोहे का टुकड़ा शीघ्र ही डूब जाता है। इसी तरह सांसरिक जीवन में धन अर्जन की मनाई नहीं है। लेकिन न्यायनीति पूर्वक धन अर्जित हो। किसी का दिल न दुखाते हुए धन अर्जन कर परिवार में अपना कर्तव्य निभाएं। मुनिश्री ने कहा कि मात्र खुद का और परिवार पेट भरने के उद्देश्य से ही धन न कमाएं। प्राप्त धन में से कुछ हिस्सा धार्मिक कार्यों में दान, दीन दुखियों, असहायों, साधर्मी की सहायता करने में भी लगाएं। जिससे जो पुण्य फल प्राप्त होगा, वो अगले भव में हमें कई गुणा फलित होकर कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।अपने जीवन में धन, मकान, जायदाद, आभूषणों आदि का एक सीमा तक संग्रह का नियम लें। इससे आकिंचन धर्म का पालन हो सकेगा। । इस मौके पर नया मंदिर के अध्यक्ष गोपाल काला मंत्री पवन छाबड़ा ने बताया कि शांति धारा करने का सौभाग्य मदनलाल अमित कुमार सुनित कुमार पहाड़िया परिवार मांडोता वालो को मिला और दस दिवसीय पर्वाधिराज पयूषण पर्व का समापन मंगलवार को होगा। इस मौके पर मंदिर जी में श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा,संयमी का सम्मान कार्यक्रम होगा।

# जिसके पास कुछ नहीं बचा, वह अकिंचन कहलाता है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने दशलक्षण पर्व के अवसर पर उत्तम आकिंचन्य धर्म पर प्रवचन करते हुए बताया कि जिसके पास कुछ नहीं बचा, वह अकिंचन कहलाता है। अकिंचनपने का भाव आकिंचन्य है। पर- पदार्थों के प्रति मूर्च्छा या आसक्ति भाव परिग्रह है। परिग्रह का त्याग होने पर पूर्ण आकिंचन्य धर्म प्रकट होता है। मनुष्य चार प्रकार के होते हैं, उनको हम आचार विचारों से पहचान सकते हैं। पहला मेरा मेरा है तेरा भी मेरा है, ऐसा कहने वाला मिथ्या दृष्टि है। दूसरा मेरा मेरा है तेरा तेरा है, यह सम्यक दृष्टि का भाव होता है। तीसरा तेरा है जो तेरा है मेरा भी तेरा है, यह अत्यंत संतोष गुण है जो देशव्रती संयमी के होता है चौथे प्रकार का मनुष्य न तेरा है ना मेरा है यह तो संसार रेन बसेरा है यह महाव्रती के विचार है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रातः 6.15 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधारा श्रीमती सुशीला देवी छाबड़ा के सुपुत्र रमेश छाबड़ा ने की। दशलक्षण मंडल विधान में उत्तम आकिंचन्य धर्म की पूजा मण्डल पर रितेश रितिका गोधा ने श्रद्धालुओं के साथ बड़े भक्ति भाव से कर धर्म प्रभावना की। पूजा में विमल कुमार पुष्पा गंगवाल की भक्ति विशेष थी। सांयकाल महाआरती करने का पुण्यार्जन संतोष कुमार श्रीमती किरण विक्रांत कासलीवाल परिवार ने प्राप्त किया। गुरु भक्ति, विदूषी बहनें दृष्टि जैन व तनीषा जैन की उत्तम आकिंचन्य धर्म पर तत्व चर्चा हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में - 'आओ जैन धर्म को जाने' प्रस्तुति श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुगार्पुरा दुगार्पुरा द्वारा की गई।

# 1800 शिविरार्थियों ने लिया सप्तव्यसन के त्याग का संकल्प

## मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में आयोजित स्व धर्म साधना शिविर में श्रद्धालुओं ने मनाया उत्तम आकिंचन्य धर्म, मंगलवार को मनायेगे अनन्त चतुर्दशी एवं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 में सोमवार को दशलक्षण महापर्व का उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर के नवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व दस दिवसीय स्व धर्म शिविर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक उत्तम आकिंचन्य धर्म पर अर्हं योग एवं ध्यान करवाया गया। शिविर में प्रातः 5.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आत्म साधना के साथ पूजा भक्ति के विशेष आयोजन किये गये। संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन के अनुसार शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के नवें अध्याय के 47 सूत्रों का मर्म समझाते हुए कहा कि मै शरीर नहीं हूं, शरीर अलग है - चेतन अलग है। यहीं अकिंचन है। आस्त्रव का रुकना ही संवर है। 3 गुप्ति, 5 समिति -10 धर्म -12 भावना-22 परीषत को जिनकी सभ्यता प्रकृति होती है। इनका पालन करते हुए आस्त्रव को रोकते हैं। संसार में रहकर संसार को अन्दर न आने देना ही वैराग्य है। इस मौके पर 1800 से अधिक शिविरार्थियों ने सभी 47 सूत्रों के अर्घ्य समर्पित किये । इस मौके पर सभी शिविरार्थियों ने सप्तव्यसन के त्याग का संकल्प लिया। मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त कर गंधोधक लेकर अपने सिर पर लगाया। इससे पूर्व एक माह एवं दस दिन के उपवास करने वाले त्यागी व्रतियों द्वारा धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट किया गया। सायंकाल प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये । इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी आदि ने सहभागिता निभाई। भामाशाह अशोक पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ़ ने भी आज शिविर में सहभागिता निभाकर मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मंगलवार 17 सितम्बर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण महापर्व के दौरान उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म मनाया जाएगा।

**-विनोद जैन कोटखावदा**

फोटो: कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

# परिग्रह चौबीस भेद, त्याग करें मुनिराज जीः प्राचार्य सतीश

## यम नियम और संयम नाटक का मंचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के नौवें दिन उत्तम आकिंचन्य धर्म विधान की पूजन की गई। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश जैन ने आकिंचन्य धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अकिंचन का मतलब समस्त परिग्रह का त्याग करके निर्लोभ भावना रखना होता है। परिग्रह के 24 भेद होते हैं 10 बहीरंग के और 14 अंतरंग के। परिग्रह दुख का कारण है। हमें संसार में ट्रस्टी बनकर रहना है, मालिक बनकर नहीं रहना है। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज के पूजन स्थापना पुण्यार्जक जे के जैन, डॉक्टर करेश अलीशा, विहान अहान,पुनीत निधि, युवान आयरा पाटनी कालाडेरा वाले एवं परिवार रहे। सायंकालीन आरती, दीप प्रजवलनकर्ता और कार्यक्रम के पुण्यार्जक महावीर कुमार शांति देवी, डॉ लवलीश डॉ नीतू, डॉ अकलीश डॉ अंशु जैन एवं परिवार रहे। समारोह में श्री महावीर स्कूल जयपुर के अध्यक्ष उमराव मल सांघी, श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृत संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, मुनि सेवा समिति अध्यक्ष राजीव सीमा गाजियाबाद उपस्थित रहे। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति द्वारा इनका सम्मान किया गया। साथ ही रंगशाला नाटक अकादमी इंदौर द्वारा यम नियम संयम का मंचन किया गया। जिसका निर्देशन साधना मादावत जैन एंड पार्टी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के सभी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

# वीतराग धर्म का उत्तम आकिंचन्य लक्षण मनाया

**शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा**

जयपुर। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर सेक्टर 8 में चातुर्मासरत उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व का नौवा दिन वीतराग धर्म का उत्तम आकिंचन्य लक्षण मनाया। पारस जैन बिची व पुरण गंगवाल चौरू ने बताया कि इस मौके पर प्रातः श्री जी के अभिषेक एवं विश्व में सुख समृद्धि और शांति की मंगल कामना करते हुए मंत्रोच्चार से शांतिधारा की गई। तत्पश्चात दशलक्षण धर्म में उत्तम आकिंचन्य लक्षण की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी ने बताया कि सायं काल महाआरती व भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान के बाद मनीष जैन टोरडी एवं जिनेन्द्र जैन जीतू के निर्देशन में धार्मिक हाऊजी का आयोजन किया गया।

# दसलक्षण पर्व का नवम दिन जैन धर्मावलंबियों ने 'उत्तम आकिंचन धर्म' के रूप में मनाया

**झुमरीतिलैया, कोडरमा. शाबाश इंडिया**

सोमवार जैन धर्म का सर्वोच्च पर्व दसलक्षण पर्यूषण पर्व का नवम दिन जैन धर्मावलंबियों ने ''उत्तम आकिंचन धर्म'' के रूप में मनाया। महासंत जैन ब्रह्मचारिणी गुणमाला दीदी ओर चंदा दीदी ने अपनी पीयूष वाणी मे भक्तजनों को कहा कि किंचित भी मेरा नहीं है दुनिया का कोई भी पदार्थ मेरा नहीं है ऐसा मानना और जानना ही आकिंचन धर्म है जो बाहर भीतर एक हो, वहीं पर आकिंचन धर्म खिलता है जिस धर्म से परमात्मा का रहस्य प्रकट होता है वह आकिंचन धर्म है दुनिया में स्वस्थ वही है जो निर्विकल्प है निराकुल है, अर्थी सजने के पहले जीवन के अर्थ को समझना जरूरी है नहीं तो अनर्थ हो जाता है, मैं और मेरे पन का भाव दुख और वेदना का कारण है, गुरुदेव ने कहा कि सामान सौ बरस का है पल भर की खबर नहीं है इसलिए जीवन के सार को समझना आवश्यक है जीवन से ममत्त्व और विकल्पों का त्याग ही आकिंचन धर्म है संसार क्षणभंगुर है यहां सिर्फ दुख है जो हमने जोड़ा है सब छूट जाएगा मनुष्य खाली हाथ आया है और खाली हाथ जाएगा इसलिए स्वयं को समझना आवश्यक है यह सबसे कठिन काम है स्वयं को समझने की दशा ही आकिंचन धर्म है। पप्रातः दीदी के मुखारविंद से नया मंदिर जी में महा शांति धारा का पाठ किया गया भगवान की शांति धारा का सौभाग्य ओम जी विनित सेठी के परिवार को मिला बड़ा मंदिर मूलनायक 1008 श्री भगवान पार्श्वनाथ की शांति धारा का सौभाग्य ललित-सिद्धांत सेठी के परिवार को मिला, पाण्डुकशीला पर शांति लाल विजय संजय छाबडा साथ ही स्वर्ण झारी से ललित शौरभ पापड़ीवाल के परिवार को मिला दूसरी आदिनाथ की वेदी पर 1008 चन्द्रप्रभु भगवान का प्रथम अभिषेक ओर शांतिधारा प्रदीप,अतुल छाबडा के परिवार को प्राप्त हुआ। इसके बाद तीर्थंकर की पूजा सोलह कारण पूजा,दसलक्षण पूजा,उत्तम आकिंचन धर्म की पूजा के साथ आज रत्नत्रय धारियों के लिए विषेस रत्नत्रय पूजा किया गया विशेष रूप से आज के विधान पुण्याजक राकेश-प्रीति छाबडा ओर सभी व्रत धारियों ने मंडप पर श्री फल समर्पित किया विधान में विशेष रूप से सुबोध-आशा गंगवाल ने सभी पुजारियों को भक्ति की दुनिया मे डुबकी लगा कर भक्ति नृत्य करने को मजबूर कर देते हैं।

# हिंदी दिवस पर 'शब्दाक्षर' का काव्य अनुष्ठान

**कोलकाता. शाबाश इंडिया।** रविवार की शाम 'शब्दाक्षर' पश्चिम बंगाल ने हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर, राम गोपाल मंच हावड़ा कोर्ट में काव्य अनुष्ठान आयोजित किया। 'शब्दाक्षर' के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह की मंच उपस्थिति में दक्षिण कोलकाता जिला अध्यक्ष डॉ .उर्वशी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस साहित्यिक काव्य-अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य अश्वनी कुमार राय व 'शब्दाक्षर' के प्रदेश सचिव पार्थ सारथी उपाध्याय 'मौसम' आयोजक- संयोजक के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम का सफल संचालन 'शब्दाक्षर' दक्षिण कोलकाता के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार धानुक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश संगठन मंत्री मंत्री अवधेश मिश्रा ने ज्ञापित किया। हिंदी दिवस को समर्पित इस काव्य समारोह में मंचासीन पदाधिकारियों के साथ कोलकाता महानगर के जिन नामचीन रचनाकारों ने काव्य-पाठ किया उनमें से विशेष उल्लेखनीय नाम हैं-अवधेश मिश्रा 'सबरंग', कवि 'मौसम' डॉ. उर्वशी श्रीवास्तव, डॉ.शाहिद फरोगी, अश्वनी कुमार राय, प्रिया श्रीवास्तव, ओम प्रकाश चौबे, अबुल कलाम, जीवन सिंह, दीप चंद सोनकर, फिरोज अख्तर, धर्म देव सिंह, पंकज कुमार राय, अनीसा साबरी व संगीता व्यास।

# जैन मंदिर में महिला मंडल द्वारा भाव पूर्ण 'बुढ़िया की लुटिया' नाटिका का मंचन किया

**बगड़ी, टोंक. शाबाश इंडिया**

राजस्थान के अंतर्गत बगड़ी विजयगढ़ के जैन मंदिर में चल रहे, दशलक्षण पर्व पर के पावन पुनीत सुअवसर पर जितेंद्र जैन (टिंकू) ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा जानकारी देते हुवे बताया कि महाआरती का सौभाग्य कमलेश कुमार, मुकेश कुमार, पवन कुमार,विमल कुमार कंसल परिवार को प्राप्त हुआ, कंसल परिवार के निज आवास से बैंड बाजा के साथ महाआरती जैन मंदिर में आई, कनिका जैन ने मंगलाचरण किया,तत्पश्चात महिला मंडल द्वारा ''बुढ़िया की लुटिया'' का नाटिका का प्रोग्राम दिखाया गया , नाटिका में चंद्रकला जैन,ललिता टोंग्या, निखिल जैन, आयु जैन, ललिता जैन , टीना जैन,रिंकी जैन नाटिका के पात्र रहे,अंत में लक्की ड्रॉ में इंद्रा जैन-सुरेश जैन को चांदी का सिक्का प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में समाज के सभी लोग उपस्थित थे।

# तपस्वियों का वरघोड़ा एवं सोलह सती का कार्यक्रम आयोजित

**आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया**

जोधपुर। पाल रोड सकल जैन श्री संघ जोधपुर एव उवसगहरं आराधक परिवार के सामुहिक तत्वाधान में आयोजित संघ के दिनेश मुणोत बताया कि चातुर्मास में 51 उपवास 36 उपवास 30 उपवास 11 उपवास 8 उपवास जैसी कठिन तपस्या पाल रोड में 150 आराधकों की पूर्ण हुई और चल रही है । दिव्य तपस्वी आचार्य श्रीमद् विजय हंसरत्न सुरीश्वर जी महाराज साहब आदि ठाणा प्रवचन प्रभावक आचार्य श्रीमद् विजय तत्व दर्शन सुरीश्वर जी महाराज साहब आदि ठाणा की प्रेरणा से हुई सामूहिक अठाई की पूर्णाहुति शाही रजवाड़ी वरघोड़ा महोत्सव के साथ सम्पन्न हुई। राजेश बागरेचा ने बताया कि गुरुवार के दिन सिद्धितप भव्य तपस्वी रजवाड़ी रथ यात्रा विक्टोरिया पैलेस से गुलाब नगर से गुजरी। जिसमें ऊँट, घोड़ा के साथ 27 रथ यात्रा 14 स्वप्न 8 मंगल आगम ज्ञान भी महिलायें वरघोड़ा दर्शन करवाए और शोभा बढ़ा रहे थे। तपस्वी के रथ के साथ-साथ ढोल की थाप पर परिवारजन नृत्य करते चल रहे थे करीब 1 किमी लम्बी रथ यात्रा थी शोभायात्रा का लाभ पार्श्व प्रभु परिवार ने लिया । रथयात्रा बाद 16 महासती स्टेज कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें संघ की महिलाओं ने मधुर गीतों और संवेदना की प्रस्तुति दी देवेंद्र पारख और रितेश मेहता बताया कि महोत्सव में पधारे हुए सभी मेहमानों की व्यवस्था श्री संघ द्वारा की गई तपस्वियों के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी तपस्वी नाचते और उल्लास उमंग के साथ वरघोड़ा में भाग लिया। रमेश तातेर में बताया कि कार्यक्रम जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ पाल रोड एरिया शाखा जोधपुर, जिनशासन यूथ क्लब, ऋषभ सेवा मंडल, पार्श्व नीति महिला मण्डल, शंखेश्वर संघ, आदि ने अपनी सेवायें दी ।

# संस्कार के कारण ही जीवन में परिवर्तन की लहर दौड़ती है। जैसे संस्कार होंगे वैसा ही परिवर्तन होगा : आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज

झालरापाटन। दिगंबर जैन समाज के दस लक्षण पर्व के तहत सोमवार को उत्तम आकिंचन धर्म को अंगीकार कर विशेष पूजा अर्चना की गई। दिगंबर जैन समाज के सभी मंदिरों में सुबह शांति धारा, भगवान की प्रतिमाओं के अभिषेक के साथ नित्य नियम और दस लक्षण की पूजन हुई। शांतिनाथ बाड़ा में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में विधानाचार्य राजकुमार जैन बैंक वाला ने संगीतकार कटनी निवासी पदमचंद के मधुर स्वर लहरियों के साथ विधान की पूजन करवाई। जिसमें मंगलाचरण मीना दीदी ने किया। सोधर्म इंद्र बने हेमंत कुमार समकित कुमार जैन के साथ अन्य पुरुष एवं महिलाओं ने पूरे भक्ति भाव के साथपूजन की। आचार्य ने कहा कि किंचित भी बाहरी संबंध रह जाता है तो साधक की साधना पूरी नहीं हो पाती है। वह तब तक निष्परिग्रही नहीं बन सकता है जब तक उसकेआकिंचन भाव जागृत नहीं हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि न ज्यादा तप होना चाहिए न बिल्कुल कम बिल्कुल बराबर होना चाहिए तभी मुक्ति मिलेगी। केवल धुन का पक्का होने से काम नहीं होता श्रद्धान भी पक्का होना चाहिए तभी काम पक्का होगा। उन्होंने कहा कि क्षुल्लक को उत्कृष्ट श्रावक माना जाता है परंतु वह मुनि के बीच भी रहकर श्रावक ही माना जाता है। आवरण सहित है तो वह निष्ग्रही नहीं हो सकता उसके लिए तो मुनि धर्म अंगीकार करना ही पड़ेगा।

# आत्मा के अलावा कुछ भी हमारा नहीं हैं: मुनिश्री प्रशमानंद

## आज लोहिया बाजार जैन मंदिर में होंगे कलशाभिषेक, कल 18 को मनाया जाएगा क्षमावाणी महोत्सव

**मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया**

मुरैना। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैं, वह भविष्य की योजनाएं बनाता है । उसकी योजनाएं कभी समाप्त नहीं होती, बल्कि दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जाती हैं । मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी इच्छाओं पर रोक, अंकुश लगाते हुए वैराग्य का पालन करना चाहिए । घर, द्वार, धन -दौलत, भाई -बंधु यहां तक कि शरीर भी मेरा नहीं हैं, इस प्रकार का अनासक्ति भाव उत्पन्न होना उत्तम आकिंचन्य धर्म है । इन सबका त्याग करने के बाद भी उस त्याग के प्रति ममत्व रह सकता है । आकिंचन धर्म में उस त्याग के प्रति होने वाले ममत्व का त्याग कराया जाता है । संसार में कोई भी वस्तु स्थाई रूप से हमारी नहीं हैं । यहां तक कि शरीर भी हमारा नही हैं, केवल आत्मा ही हमारी है । उक्त उद्गार युगल मुनिराज श्री प्रशमानंद जी महाराज ने दसलक्षण धर्म के नौवे दिन बड़ा जैन मंदिर मुरैना में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर प्रबंध समिति के सदस्य कुशल जैन साहुला द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दसलक्षण पर्व 8 सितम्बर को शुरू हुए थे और आज 17 सितम्बर अनंत चतुर्दशी को समाप्त होगें । जैन धर्म में अनंत चतुर्थी का विशेष महत्व है । इस दिन प्रत्येक व्यक्ति श्री जिनेंद्र भगवान की पूजा अर्चना करता है और यथाशक्ति व्रत उपवास करता है। आज अनंत चतुर्थी को शाम 04 बजे मुरैना में चतुर्मासरत युगल मुनिराज श्री शिवानंद जी महाराज एवम मुनिश्री प्रशमानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री चंद्रप्रभु पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर, लोहिया बाजार में श्री जिनेंद्र प्रभु के कलशाभिषेक एवम शांतिधारा का आयोजन रखा गया है। जैन के अनुसार दसलक्षण पर्व के समापन पर बुधवार 18 सितम्बर को बड़ा जैन मंदिर मुरैना में पूज्य युगल मुनिराजों के पावन सान्निध्य में क्षमावाणी पर्व मनाया जायेगा । इस दिन सभी साधर्मी बंधु विगत वर्ष जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना करते हैं । सभी लोग एक दूसरे से क्षमा मांगते हैं और एक दूसरे को क्षमा करते हैं ।

## दसलक्षण पर्व पर भक्ति नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

अजमेर। 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शांतिपुरा आनंदनगर में दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रवक्ता कमल गंगवाल व नरेश गंगवाल ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत भक्ति नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई,जिसके पुरस्कार प्रदाता और कार्यक्रम के आयोजक श्रीमती मंजू और मनोज ठोल्या परिवार थे। भक्ति नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुरभि ठोल्या, द्वितीय स्थान पर अंकिता सेठी, और तृतीय स्थान पर वंदना सेठी रही। इन्हें विशेष रूप से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सूर्यकांता सेठी, कला बज, रतनप्रभा जैन, मंजू बड़जात्या, किरण जैन, अंजू अजमेरा, रूबी जैन, प्रमिला शन्नो सेठी, रीना दोसी, सीमा झांझरी, कुसुम भैंसा, प्रमिला जैन, राजकुमार बज, अजय जैन सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री दिगंबर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी और प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि सम्पूर्ण जैन समाज में कल अनंत चतुर्दशी का महापर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष रूप से अभिषेक, वृहद शांतिधारा, पूजापाठ और 1008 श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याण दिवस पर सभी जिनालयों में निर्वाण मोदक चढ़ाया जाएगा। पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और जैन समुदाय के व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

## नसीराबाद के पूर्व विधायक गुर्जर का जन्म दिन मनाया हर्षोल्लास से

### गुर्जर ने गौशाला जाकर गायों की की करी सेवा

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

नसीराबाद । नसीराबाद के पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह गुर्जर का जन्म दिवस सोमवार को गौ सेवा के रूप में मनाया गया । इस अवसर पर गुर्जर रामसर रोड स्थित नृसिंह गौ शाला पहुंचे व अपने परिजनों व शुभ चिन्तकों के साथ गायों को हरा चारा खिला कर गौ सेवा करी । इसके पश्चात गुर्जर स्थानीय डाक बंगले पर पहुंचे , वह वहां दूर दूर से आए अपने शुभ चिन्तकों की बधाई स्वीकार की । इस अवसर पर अजमेर देहात कांग्रेस उपाध्यक्ष हरी सिंह , रामसर सरपंच जालिम सिंह, लवेरा सरपंच शंकर जाट, देरांठू सरपंच विजेंद्र सिंह, सापरंदा सरपंच रामसिंह चौधरी, करनोस सरपंच मोती गुर्जर, सरपंच रामदेव गुर्जर, सरपंच जगदीश गुर्जर न्यूरियावास, पूर्व सरपंच संजय माहेश्वरी, देवकरण गुर्जर झड़वासा, हरचंद हांकला गोला,जगदीश गुर्जर बीर, कैलाश तेला भटियाणी, देवेंद्र सिंह बाघसुरी, कांग्रेस नेता शिव बंसल, पार्षद छगनलाल जाट, पार्षद भगवान दास, समाज सेवी राजेंद्र गर्ग, योगेश परिहार , युवा नेता राहुल गुर्जर, राजेन्द्र सिंह राठौड़ देरांठू , पूर्व सरपंच देरांठू शैतान माली , शकंर गुर्जर आदि ने गुर्जर को माला व साफा पहनाकर शुभकामनाएं दी व गुर्जर की लम्बी उम्र की कामना करी।

# दसलक्षण महापर्व के नौवे दिन उत्तम आकिंचन्य धर्म की पूजा शांतिधारा हुई

**सुजानगढ़. शाबाश इंडिया।** जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दसलक्षण महापर्व के नौवे दिन भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी वार सोमवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जिनेन्द्र भगवान की शांतिधारा धारा करने प्रकाशचंद विमल कुमार पाटनी व सुगंधित धारा करने का सौभाग्य माणकचंद पवन कुमार कमल कुमार छाबड़ा परिवार को मिला।इसके पश्चात नए हॉल में नित्य पूजा पाठ व दस धर्मो की पूजा खूब भक्तिभाव पूर्वक हुई। मंत्री पारसमल बगड़ा ने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि उत्तम आकिंचन धर्म का अनुसरण करना हमें सच्ची शांति और संतोष की ओर ले जाता है। जब हम जीवन में वस्तुओं और भौतिक संपत्तियों के प्रति अपने लगाव को कम करते हैं, तो हम अपने अंदर की वास्तविक खुशी को अनुभव कर सकते हैं।प्रकार श्री दिगम्बर जैन नर्सिया जी,श्री आदिनाथ बाहुबली मंदिर, पांड्या चैत्यालय,पाटनी चैत्यालय,में भी खूब धूमधाम से जिनेन्द्र भगवान की पूजा श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है।समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़ूवाला ने बताया कि कल अनंत चतुर्दशी के दिन शाम 4 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर से जिनेन्द्र भगवान की शोभायात्रा निकलेगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए वापिस मंदिर पहुंचेगी। महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि बुधवार को समाज द्वारा सभी व्रतियो का अभिनंदन समारोह श्री दिगम्बर जैन भवन में होगा इसके पश्चात सभी वृतियो को गाजे बाजे के साथ घर छोड़ा जाएगा।इस अवसर पर लालचंद बगड़ा, शैलेंद्र गंगवाल,खेमचंद बगड़ा, कमल छाबड़ा,डॉक्टर सरोज छाबड़ा, मोतीलाल बगड़ा,संतोष छाबड़ा, मखन सेठी, नवीन बगड़ा, तपन बिनायक्या,अंकित पांड्या,सुरेश पांड्या, सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।



# जैन मंदिर कीर्तिनगर में अनंत चतुर्दशी पर आज निकलेगी मानव रथ यात्रा

## अकिंचन अर्थात कुछ भी मेरा नहीं : मुनिश्री श्री समत्व सागर

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दशलक्षण महापर्व के तहत टोंक रोड,कीर्ति नगर के जैन मंदिर में मंगलवार को अनंत चतुर्दशी धूमधाम से मनाई जाएगी। इस मौके पर जहां सुबह श्रीजी के कलश,अनंत चतुर्दशी की विशेष पूजा जहां सुबह होगी,वहीं दोपहर में मुनिश्री श्री समत्व सागर जी महाराज के सानिध्य में दोपहर 1बजे मानव रथ यात्रा निकाली जाएगी। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण काला,महामंत्री जगदीश जैन व प्रचार संयोजक आशीष बैद ने बताया कि अनंत चतुर्दशी पर धार्मिक कार्यक्रम सुबह से ही शुरू हो जाएगे।सर्व प्रथम सुबह 6.15 बजे श्री अभिषेक व शांतिधारा के बाद साजों के बीच पूजन सहित अनेक आयोजन होंगे।इसके बाद मुनिश्री के उत्तम ब्रहमचर्य धर्म पर प्रवचन होंगे। इसीदिन दोपहर में दोपहर में 1 बजे लवाजमें के साथ श्रीजी की मानव रथयात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा मंदिर से शुरू होगी जो ,कीर्ति नगर के विभिन्न मार्गों के भ्रमण करती हुई मंदिर जी में आकर समाप्त होगी। मुनिश्री श्री समत्व सागर जी महाराज के सानिध्य में निकलने वाली इस रथयात्रा का जगह जगह आरती उतारकर स्वागत किया जाएगा। इससे पूर्व सोमवार को उत्तम त्याग आकिंचन्य धर्म पर बोलते हुए मुनिश्री श्री समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि अकिंचन अर्थात कुछ भी मेरा नहीं है, मैं मात्र आत्मा हूं।इसके अतिरिक्त जो कुछ भी है, वह सब पर द्रव्य है। जैन दर्शन में पर-वस्तु को ग्रहण करना और अपना मानना परिग्रह है। बाह्य सामग्री के साथ-साथ भावों को भी परिग्रह कहा है।राग-द्वेष के कारण पदार्थों में जो ममत्व-आसक्ति है, वही परिग्रह है। वस्तु में आसक्ति का भाव परिग्रह है। उत्तम आकिंचन्य धर्म के धारी तो महामुनिराज हैं, जिनके पास तिल मात्र भी परिग्रह नहीं होता। उन्होंने सभी को परिग्रह के त्याग की प्रेरणा दी। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मनुष्य परिग्रह के संग्रह से मुक्त नहीं होगा, तब तक शांति नहीं मिलेगी। दूसरों को खुशी देना धर्म है। जीवन में आगे बढना है तो इच्छाओं को नहीं बढने दें। कान के कच्चे लोग लड़ाने और भिड़ाने के अलावा कुछ नहीं करते हैं। मानवीयता ही न हो तो हम मानव कहलाने लायक भी नहीं है। कमियां मत छुपाइए, उन्हें दूर कीजिए। गलती की स्वीकृति अर्थात पुनः गलती न होने देना है। जिम्मेदारी वे लेते हैं जिनके अंदर काम करने की ललक होती है। उन्होंने कहा कि गुरु का सानिध्य विकार क्लेश को समाप्त करता है। विश्व कल्याण की भावना प्रत्येक धर्म का मूल है।

# 'ऐसी थी चन्दनबाला' लघु नाटिका के मंचन में उमड़े श्रद्धालु

**विमल जोला. शाबाश इंडिया**

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में शांतिनाथ जैन मंदिर में पर्युषण दशलक्षण महापर्व के दौरान जिन श्री महिला मण्डल द्वारा ऱऐसी थी चन्दनबालाऱ लघु नाटिका का मंचन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आचार्य अभिनन्दन सागर महाराज के चित्र का लोकार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित किया गया। लघु नाटिका कार्यक्रम की शुरूआत आशा चंवरिया अन्नू भाणजा संजू जैन रिंकु भाणजा एवं अंजू जगतपुरा ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का संचालन संगीता गिन्दोडी ने किया। लघु नाटिका कार्यक्रम में चन्दनबाला का अभिनय प्रियल भाणजा ने किया। 'ऐसी थी चन्दनबाला' लघु नाटिका में सेठ और सेठानी का दरबार लगाया गया जिसमें अन्तिमा गिन्दोडी सेठ जी एवं अंजू जैन सेठानी खुश्बू भाणजा शकुंतला जैन आरवी गिन्दोडी मोना चंवरिया मधु भाणजा पिंकी बड़ागांव उर्मिला बटावती अंजू जगतपुरा रीना जगतपुरा सहित कई महिलाओं ने शानदार अभिनय किया। 'ऐसी थी चन्दनबाला' लघु नाटिका में कोन कहता है भगवान आते नहीं। चन्दनबाला की करुणा पुकार सुनकर भगवान महावीर आ गए। मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के चलते सोमवार को उत्तम आकिंचन्य धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई। दशलक्षण महापर्व के तहत पूजा आराधना में गायक विमल जौंला ने भजनों की प्रस्तुतियां दी जिसमे श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने बताया कि नसिंया जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में आयोजित दशलक्षण महापर्व के तहत दशलक्षण मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्तम आकिंचन्य धर्म की विशेष पूजा अर्चना की।

# ज्ञानतीर्थ टोडरमल स्मारक भवन में दशलक्षण महापर्व का नवां दिन

## आकिंचन्य का अर्थ है अपरिग्रहः सुमतप्रकाश जैन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के बैनर तले बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में दशलक्षण महापर्व के तहत मंगलवार को अंनत चतुर्दशी मनाई जाएगी। इस मौके पर उत्तम ब्रहमचर्य धर्म पर प्रवचन होंगे। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि सोमवार सुबह श्रीजी के अभिषेक के बाद पर साजों के बीच दशलक्षण विधान हुआ। इस दौरान छोटा-सा मंदिर बनाएगे...जैसे भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए विश्वविख्यात बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जैन, खनियाधाना ने उत्तम आकिंचन्य धर्म के बारे में समझाते हुए कहा कि आकिंचन्य का अर्थ है अपरिग्रह। जगत में किंचित मात्र भी मेरा नहीं है यही आकिंचन्य धर्म है। जीवन में अध्यात्म से बडा कोई सहारा नही है।यह आकिंचन्य भाव आता है आकिंचन्य की कोख से। अध्यात्म वह शक्ति है जो हमसे हमारा परिचय कराती है। जीवन में अध्यात्म से बड़ा सहारा और कोई नहीं है। उत्तम आकिंचन्य धर्म का पालन करते हुए अहम का भाव सदा त्याग के लिए प्रयास करना चाहिए। परिग्रह का ढेर बढ़ता जाता है और मनुष्य की इच्छा भी उसे और बढ़ाने की बढ़ती जाती है। जब तक उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य परिग्रह के संग्रह से मुक्त नहीं होगा, तब तक शांति नहीं मिलेगी। दूसरों को खुशी देना धर्म है। जीवन में आगे बढना है तो इच्छाओं को नहीं बढने दें। कान के कच्चे लोग लड़ाने और भिड़ाने के अलावा कुछ नहीं करते हैं। मानवीयता ही न हो तो हम मानव कहलाने लायक भी नहीं है। कमियां मत छुपाइए, उन्हें दूर कीजिए। गलती की स्वीकृति अर्थात पुनः गलती न होने देना है। जिम्मेदारी वे लेते हैं जिनके अंदर काम करने की ललक होती है। उन्होंने कहा कि गुरु का सानिध्य विकार क्लेश को समाप्त करता है। विश्व कल्याण की भावना प्रत्येक धर्म का मूल है। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि 18 सितम्बर को क्षमावाणी कार्यक्रम व त्यागी व्रतियों का सम्मान किया जाएगा।

# प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान की नई टीम ने ली शपथ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान की आगामी अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित महाआरती एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण विद्याधर नगर स्थित गौतम गार्डन में आयोजित हुआ। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को यशस्वी उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी , केबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी बाल मुकुंदाचार्य जी महाराज, सीताराम अग्रवाल( मंगला इस्पात), राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य सुभाष गोयल ने सभी को पद, एवं कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण की श्रृंखला में संस्था के चेयरमैन प्रकाश चंद गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष विनोद गोयल, प्रदेश महामंत्री मक्खन कांडा, प्रदेश कोषाध्यक्ष दिलीप अग्रवाल, चेयरपर्सन श्रीमती मृदुला पंसारी, महिला अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा नारनोली, एवं इन सभी की टीम के यशस्वी पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी जी ने प्रदेश अग्रवाल महासभा के लिए मंच से ही अतिशीघ्र जमीन आवंटित किए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर महिलाओं एवं बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता हाउजी गेम एवं बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया एवं सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया सभी अग्र बंधुओ ने प्रसादी ग्रहण की।

# संगति का प्रभाव मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाता है : साध्वी मधुसुधा

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

संगति का प्रभाव केवल मनुष्य के विचारों और कार्यों पर ही नहीं, बल्कि उसके संपूर्ण व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। पंचायती नोहरा, जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में सोमवार को महासती मधुसुधा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति सकारात्मक और नैतिक संगति में रहता है, तो उसकी सोच, आदतें और व्यवहार सकारात्मक दिशा में विकसित होते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक संगति व्यक्ति को गलत मार्ग पर ले जा सकती है। इसी कारण हमें सदैव अच्छे

और प्रेरणादायक लोगों की संगति करनी चाहिए, जो हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें, जीवन में सच्चाई और अच्छाई को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करें, और अंततः सफलता की ओर अग्रसर करें। साध्वी संयमसुधा ने कहा कि संगति से व्यक्ति का मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास भी प्रभावित होता है, जो उसके जीवन की दिशा और गुणवत्ता को निर्धारित करता है। इसलिए, संगति का चयन अत्यंत सावधानीपूर्वक करना चाहिए, क्योंकि यह हमारे जीवन की दिशा को सकारात्मक या नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित कर सकती है। श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी ने बताया कि प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा जी म.सा. ने 14 उपवास के प्रत्याख्यान लिए हैं और अब आगे की कठिन तपस्या की ओर अग्रसर हैं। धर्मसभा में राजस्थान महिला जैन कॉन्फ्रेंस की प्रांतीय अध्यक्षा नीता बाबेल (भीलवाड़ा), पूर्व सभापति मंजू पोखरना, रजनी सिंघवी, सुनिता झामण सहित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संघ के महामंत्री रोशनलाल जैन, कांतिलाल जैन, लक्ष्मीलाल वीरवाल और महिला मंडल की मंजू सिरोया, संतोष जैन, पुष्पा खोखावत आदि ने अतिथियों का सम्मान किया और साध्वी प्रितीसुधा की तपस्या की अनुमोदना की। **प्रवक्ताः निलिप्का जैन**

# शिविर में 248 मरीजों की निशुल्क नेत्र जांच की

जयपुर। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 140वाँ निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर आज विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। शिविर में 248 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई जिसमें 142 व्यक्तियों को चश्मे वितरित किए गए। 11 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। संस्था के नथमल बंसल ने बताया कि इस मौके पर बजरंग लाल गर्ग, विनोद बजाज, शिव कुमार जालान, दिलीप अग्रवाल, नाथूराम बीजाका, दिनेश टेकरीवाल, अनिल शर्मा, मुकेश मीणा व राजेंद्र सिंह उपस्थित हुए।

# भगवान चंद्र प्रभु की वृहद शांति धारा की

## उत्तम अकिंचन धर्म की पूजा, पर द्रव्य का त्याग ही उत्तम अकिंचन धर्म, अनंत चतुर्दशी पर्व आज

**टोंक. शाबाश इंडिया**

दसलक्षण पर्व का नौवां दिन जैन समाज के लोगों के द्वारा उत्तम अकिंचन धर्म के रूप में मनाया गया इस दिन पुरानी टोंक स्थित चंद्रप्रभु मंदिर में प्रातः श्रीजी का अभिषेक कर अर्ध्य चढ़ाए गए पंडित विकास शास्त्री के मुखारविंद से उच्चारित 108 रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान चंद्र प्रभु की राहुल शिखर कमल अशोक महावीर पारस रोहित आशीष आदि द्वारा वृहद शांति धारा की गई शांति धारा से प्राप्त गंधोदक को श्रद्धालुओं ने अपने मस्तक पर लगाकर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला एवं मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि तेरस के

अवसर पर चंद्रप्रभु मंदिर में भगवान आदिनाथ भगवान पार्श्वनाथ, नव देवता, चौबीस तीर्थंकर एवं दसलक्षण पर्व के तहत उत्तम आकिंचन धर्म की पूजा कर 24 अर्ध्य एवं श्रीफल चढ़ाए गए। मंदिर में सुमन मंजू चमेली आकांक्षा चारु संजू बीना आशा संगीता पिंकी प्रेमलता सहित कई महिलाएं मौजूद थी विकास शास्त्री ने शास्त्र सभा में बताया कि 'पर द्रव्य' का त्याग करना ही उत्तम अकिंचन धर्म होता है दूसरों को उपदेश न देकर स्वय ग्रहण करना ही उत्तम अकिंचन धर्म है सुख-दुख के भ्रमण से दूर रहकर निस्वार्थ भाव से ध्यान करना आकिंचन धर्म है सब कुछ बटोर कर जमा करने में सुख तलाशने वाला मानव आज दुख से भरता जा रहा है हमारे जीवन में कितना उपयोगी है उतना ही अगर हम धन संपदा आदि अपने पास रखें तो हम बहुत दुख पाने से बच सकते हैं। आत्मा के अपने गुणों के सिवाय जगत में अपनी अन्य कोई भी वस्तु नहीं है इस दृष्टि से आत्मा अकिंचन है। अकिंचन रूप आत्मा-परिणति को आकिंचन कहते है रविवार सांयकाल आयोजित स्वाध्याय सभा के तहत प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम मे निर्मल सोनी चंद्रप्रकाश बज अंतिमा जैन तृप्ति जैन जेनिशा जैन पंछी जैन को पुरस्कार प्रदान किए गए आज अनंत चतुर्दशी के अवसर पर मंदिर में प्रातः भगवान के अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा अर्चना की जायेगी श्रावक व्रत- उपवास रखकर दिनभर भगवान की भक्ति एवं आराधना करेंगे सायंकाल मंदिर जी में भगवान चंद्र प्रभु के प्रतिरूप के कलशाभिषेक किए जाएंगे।

# संसार में रम जाना ही सबसे बड़ी भूल है : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

## 18 तारीख को निकलेगी शहर के प्रमुख मार्गों से विश्व अहिंसा जिनदर्शन यात्रा

## श्रावक संस्कार शिविर के समापन समारोह में तपस्वीयों का भव्य बहुमान

**सागर. शाबाश इंडिया**

संसार का सद्भाव कर्म के आधीन है जब जब भी हमें सद्भाव का योग मिलता है उसमें रम जाना ही सबसे बड़ी भूल है देखने में आता है कि अशुभ कर्म के उदय में कम कर्म का वंध होता है और शुभ कर्म के उदय में ज्यादा वंध होता है पाप के उदय में व्यक्ति अपने आप को संभाल लेता है लेकिन पुण्य के उदय में ज्यादा पाप करते हुए पाप को ही वाधता है और दुर गति में पड़ जाता है इसलिए पाप से ज्यादा पुण्य के उदय में सावधान रहने की आवश्यकता है लोन मिल जाने पर लोन तो ले लेते हैं लेकिन उस लोन को समय पर नहीं चुका गया तो जो आपके पास मूल धन था वह भी चला जायेगा ।लोन तो जितना चाहोगे उतना मिल जायेगा हमें उसमें फंसना नहीं है यदि चुकाने की हिम्मत है तब ही लोन लेना उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में 31 वे श्रावक संस्कार शिविर की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए ।

### ऐतिहासिक संस्कार शिविर के समापन पर निकलेगी शोभायात्रा: विजय धुर्रा

31वे श्रावक संस्कार शिविर के समापन पर परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक विदेह सागर जी महाराज प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया, बाल ब्रह्मचारी विनोद भइया, शिविर निर्देशक हुकुम काका, दिनेश गंगवाल जयपुर, के मार्ग दर्शन में दस उपवास की निराजल तपस्या के साथ ही दस उपवास की साधना करने वाले सभी शिविरार्थी को विशेष वधियो पर आरूढ़ कर भव्य

विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी इस शोभायात्रा में सभी शिविरार्थी गणवेश में विश्व शांति के प्रतीक सफेद ध्वज लहराने शहर भर के जिनालयो की वंदना के लिए शोभायात्रा के साथ निकलेंगे । चातुर्मास कमेटी गौरवाध्यक्ष राजेंद्र जैन, चतुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार सट्ठ भइया, कार्याध्यक्ष राजेश एडीना, सर्वाध्यक्ष आशीष पटना, महामंत्री राजकुमार मिनी, मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र डवडेरा, शिविर संयोजक साहिल डवडेरा ने शहर वासियों से शिविरार्थियों के भव्य स्वागत का निवेदन किया है । शिविर में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा के मंत्रोच्चार परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के श्री मुख से हुई महा शान्ति धारा करने का सौभाग्य सुमति कुमार मुम्बई कमल कुमार काला सुमन दगड़ व्यापर अनिरुद्ध रेशु सिंघई सन्तोष सिंघई रोहित राहुल सिंघई अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा, महामंत्री राकेश कुमार, विवेक कुमार, अक्षय अमरोद ,शिविर निर्देशक हुकुम काका, दिनेश गंगवाल जयपुर, शिविर पुण्यार्क परिवार श्रषभ कुमार बांदरी सहित अन्य सैकड़ों भक्तों को मिला ।

# प्लास्टिक बोतल क्रश मशीन मोती डूंगरी दादा वाड़ी में लगाई

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

भारतीय जैन संगठना द्वारा प्लास्टिक बोतल क्रश मशीन जो कि आज मोती डूंगरी दादा वाड़ी में एक भोजन के कार्यक्रम में लगाई गई। प्लास्टिक बोतल कचरा निस्तारण हेतु लगाई गई इस मशीन का वहां उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ। खासकर बच्चों द्वारा इस मशीन का उपयोग करने में उन्हें काफी आनंद भी आया। आने वाले दिनों में भी इस मशीन का उपयोग इसी तरह के भोजन समारोह में जहाँ प्लास्टिक बोतल का उपयोग बहुतायत हो रहा है किया जाएगा।